RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 201 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 16-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अफगानिस्तान को शीर्ष टीमों के खिलाफ और अधिक मैच खेलने की जरूरत है : राशिद

6 बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

7 भूमि पेडनेकर ने 'द लेडी किलर' को लेकर तोड़ी चुप्पी

फर्स्ट टेक

गाजा में संभावित शांति मिशन के लिए हमारे आठ हजार सैनिक तैयार : इंडोनेशिया

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया की सेना ने रविवार को कहा कि जून के अंत तक मानवीय और शांति मिशन के लिए गाजा में संभावित तैनाती के लिए उसके आठ हजार सैनिक तैयार होने की उम्मीद है। अमेरिक के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध के बाद गाजा के पुनर्निर्माण को लेकर पेश योजना के एक महत्वपूर्ण तत्व सैनिकों की तैनाती की तरफ इंडोनेशिया की यह पहली ठोस प्रतिबद्धता है। इंडोनेशियाई सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल डोनी प्रमोनो ने कहा कि इंडोनेशियाई राष्ट्रीय सशस्त्र बलों (टीएनआई) ने गाजा में सैनिकों की प्रस्तावित संरचना और तैनाती के लिए समयसीमा को अंतिम रूप दे दिया है। हालांकि, सरकार ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि तैनाती कब होगी।

बांग्लादेश का नया मंत्रिमंडल 17 फरवरी को लेगा शपथ

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित संसद सदस्य मंगलवार सुबह शपथ लेंगे और इसके बाद शाम को मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होगा। स्थानीय मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन सुबह 10 बजे नव निर्वाचित संसद सदस्यों को शपथ दिला सकते हैं, जबकि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन शाम चार बजे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष तारिक रहमान के नए मंत्रिमंडल को शपथ दिलाएंगे। निर्वाचन आयोग (ईसी) के अनुसार, बीएनपी ने 297 में से 209 सीट जीतीं, जबकि दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी को 68 सीट पर जीत मिलीं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस के काला सागर स्थित बंदरगाह पर लगी आग

कीव/एपी। यूक्रेन के ड्रोन हमले से रूस के काला सागर स्थित बंदरगाहों में से एक में आग लग गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना ऐसे समय में हुई है जब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से अमेरिका की मध्यस्थता में यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत होने वाली है। क्षेत्रीय गवर्नर वेनियामिन कोंड्राटयेव के अनुसार, क्रास्नोदार क्षेत्र के तमन बंदरगाह पर हुए हमले में दो लोग घायल हो गए, जिससे एक तेल भंडारण टैंक, गोदाम और टर्मिनल क्षतिग्रस्त हो गए। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि रूसी ड्रोन से गिरे मलबे ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में नागरिक और परिवहन संबंधी बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है।

महाशिवरात्रि

रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालु धारवाड में सोमेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी और सरकार द्वारा उठाए गए कदम उन्हें सशक्त बनायेंगे। प्रधानमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में यह गर्व का विषय रहा है कि भारतीय महिलाएं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''चाहे अंतरिक्ष हो या स्टार्ट-अप, वे बड़ा प्रभाव डाल रही हैं।''

मोदी ने कहा कि महिलाओं का कल्याण उनकी सरकार के हर फैसले का मार्गदर्शन करता है और प्रत्येक जिले में बालिकाओं के लिए 'स्टेम' (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) छात्रावास स्थापित करने की नई पहल से महिलाओं में शिक्षा और नवाचार में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष 1.5 लाख देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित करने और सहायक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए संस्थानों का विस्तार करने का निर्णय स्वास्थ्य देखभाल कार्य को औपचारिक रूप देगा, जो काफी हद तक अनौपचारिक क्षेत्र तक ही सीमित रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित करने से महिलाओं के लिए सम्मानजनक, प्रमाणित रोजगार के अवसर बनेंगे और साथ ही भारत की स्वास्थ्य क्षमता भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में अर्थव्यवस्था के नए युग के क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है और 15,000 विद्यालयों तथा 500 महाविद्यालयों में 'एवीजीसी (एनीमेशन, विज़ुअल इफेक्ट, गेमिंग और कॉमिक्स) कंटेंट क्रिएटर लैब्स' तथा औपचारिक रचनात्मक ढांचे की स्थापना के जरिए सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचे।

सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र है भारत : मोहन भगवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भगवत ने भारत को सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र बताते हुए रविवार को जोर देकर कहा कि देश की सभ्यतागत विचारधारा लेन-देन वाले संबंधों के बजाय एकता और आपसी जुड़ाव की भावना पर आधारित है। आरएसएस के मीडिया प्रकोष्ठ ने यह जानकारी दी।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में आयोजित 'सामाजिक सद्भाव' सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा, कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है। हमारे देश में मानवीय रिश्ते अपनेपन की भावना पर आधारित हैं।

भारत की विविधता पर प्रकाश डालते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा, हम भारत को अपनी माता मानते हैं। वही दिव्य चेतना हम सब में निवास करती है। यही बंधन हमें हमारी भिन्न-भिन्न पहचानों के बावजूद एकजुट रखता है। उन्होंने कहा कि समाज को कायम रखने के लिए केवल कानून लागू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी आवश्यक है।

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि यह उपलब्धि जश्न मनाने का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का विषय है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

सिद्दरामय्या ने किसानों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से किया सवाल

बेंगलूरु/भाषा। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के प्रभाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जवाब मांगते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि देश के किसान 'सौदेबाजी के मोहरे नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवनरेखा हैं'। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे 'भारत के हितों से समझौता न करें, राजनीतिक लाभ के लिए किसानों का सौदा न करें अथवा विदेशी दबाव के आगे न झुकें।'

मुख्यमंत्री की ये टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में आई, जिससे व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर विपक्ष का हमला और तेज हो गया है। सिद्दरामय्या ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई सवाल पूछते हुए दावा किया कि भारतीय किसानों के साथ 'धोखा' किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, '' भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का हमारे किसानों, दुग्ध उद्योग, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली और भारत की दीर्घकालिक कृषि स्वतंत्रता पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में राहुल गांधी द्वारा उठाई गई चिंताओं का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्पष्ट और ईमानदार जवाब दिया जाना चाहिए।

भारत में एआई नेतृत्वकर्ता बनने की पूरी क्षमता : सैम ऑल्टमैन

नई दिल्ली/भाषा। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने कहा है कि भारत में पूर्ण रूप से एआई नेतृत्वकर्ता बनने की सभी आवश्यक क्षमताएं मौजूद हैं। ऑल्टमैन ने देश की प्रौद्योगिकी प्रतिभा, राष्ट्रीय रणनीति और एआई की संभावनाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को इसकी बड़ी ताकत बताया। उन्होंने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बताते हुए दैनिक अखबार 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में लिखा कि भारत घरेलू प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता और सरकार की नीतिगत पहल के जरिये एआई को बड़े पैमाने पर लागू करने में आगे है। ओपनएआई के सीईओ ने सरकार के भारत एआई मिशन का उदाहरण देते हुए कहा कि यह मिशन कंप्यूट क्षमता बढ़ाने, स्टार्टअप का समर्थन करने और स्वास्थ्य, कृषि तथा सार्वजनिक सेवाओं में बहुभाषी एआई अनुप्रयोगों को तेजी से लागू करने के लिए बनाया गया है, ताकि एआई करोड़ों लोगों के लिए एक आवश्यक माध्यम बन सके। उन्होंने भारत में एआई टूल की तेजी से स्वीकार्यता को भी सराहा और कहा कि अब देश में साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 10 करोड़ है, जो अमेरिका के बाद दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में भारत में सबसे ज्यादा विद्यार्थी चैटजीपीटी का उपयोग करते हैं।

तमिलनाडु में सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

तूतीकोरिन (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के वैप्पार-ख गांव में रविवार को एक दोपहिया वाहन के एक पर्यटक वाहन से टक्कर हो जाने के बाद दो बच्चों समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया और अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। यहां जारी एक बयान में स्टालिन ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यह जानकर गहरा सदमा पहुंचा कि सामने से आ रहे एक वाहन से टक्कर हो जाने के बाद दोपहिया वाहन सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तीन और पांच वर्ष की आयु के दो लड़के शामिल थे।

भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हराकर सुपर आठ में जगह बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। सलामी बल्लेबाज इशान किशन के तूफानी अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने रविवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान पर 61 रन की एकतरफा जीत के साथ सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई किया।

भारत के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम हार्दिक पंड्या (16 रन पर दो विकेट), वरुण चक्रवर्ती (17 रन पर दो विकेट), जसप्रीत बुमराह (17 रन पर दो विकेट) और अक्षर पटेल (29 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18 ओवर में 114 रन पर सिमट गई।

पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान (44) के अलावा कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। उनके अलावा सिर्फ शाहीन शाह अफरीदी (नाबाद 23) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

टी20 विश्व कप में यह भारत की पाकिस्तान के खिलाफ नौ मैचों में आठवीं जीत है जबकि उसे सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

इशान ने स्पिन की अनुकूल पिच पर 40 गेंद में 10 चौकों और तीन छक्कों से 77 रन की पारी खेलने के अलावा तिलक वर्मा (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 87 रन जोड़े जिससे भारत ने सात विकेट पर 175 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (32) और शिवम दुबे (27) ने भी उपयोगी पारियां खेली।

पाकिस्तान ने 18 ओवर स्पिनरों कराए जिसमें सईम अयूब 25 रन पर तीन विकेट चटकाकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। शाहीन ने दो ओवर में 31 रन लुटाए और उन्हें एक विकेट मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में 13 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए।

श्री दादा गुरुदेवाय नमः | श्री विमलनाथाय नमः | अनन्त लब्धि निधान श्री गौतम स्वामी जी नमः | श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः

श्री विमलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर एवं
श्री जिन कुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट
बसवनगुड़ी बेंगलूरु के तत्वावधान में
50 हजार नूतन जैन निर्माता, कलिकाल कल्पतरू, प्रकट प्रभावी दादा
श्री जिन कुशल सूरी गुरुदेव का 693 वां स्वर्गारोहण दिवस कार्यक्रम

भव्य विराट दादा मेला सह गुणानुवाद सभा

सकल श्री संघों को भावभरा स्नेहिल आमंत्रण

दिनांक : 17.02.2026, मंगलवार

प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरिजी
1,20,000 नूतन जैन निर्माता दादा गुरुदेव
श्री जिनदत्त सूरिजी, जिनके दाह संस्कार के समय चादर, मुंहपत्ती एवं चोल पट्टा अक्षुण्ण रहे। परमात्मा महावीर से लेकर अब तक के शासन में 1200 दीक्षार्थी एक साथ कराने वाले महान दीक्षा प्रदाता। 52 वीर एवं 64 जोगनियां जिनकी हाजरी में रहने वाले महान् ज्योतिर्धर आचार्य। श्री अंबिका देवी द्वारा प्रदत्त युगप्रधान की पदवी से विभूषित एकमात्र आचार्य भगवन्

द्वितीय दादा गुरुदेव मणिधारी
श्री जिन चन्द्रसूरिजी
भगवान महावीर की परम्परा में सबसे कम उम्र में 6 वर्ष की अवस्था में आचार्य पद प्राप्त करने वाले एकमात्र आचार्य। दाह संस्कार के समय मस्तक से मणि प्राप्त हुई। रथी को विश्राम नहीं देने के निर्देश के बावजूद विश्राम देने पर हाथी द्वारा भी पालकी न हिला पाना, अतः दाह संस्कार महरौली (दिल्ली) में किया गया।

खरतरगच्छ संस्थापक
श्री जिनेश्वर सूरिजी
वि.सं. 1075 पाटन में दुर्लभ महाराजा द्वारा सुविहित परम्परा के श्री जिनेश्वर सूरिजी को खरतर विरुद से नवाजा गया। वर्तमान में यह गच्छ जिनशासन का सबसे प्राचीनतम गच्छ है।

तृतीय दादा गुरुदेव
श्री जिनकुशल सूरिजी
50,000 नूतन जैन निर्माता एवं स्वर्गारोहण के पश्चात् भक्तों को तीन स्थलों मालपुरा, ब्रह्मसर, नाल दादावाड़ी बीकानेर में प्रत्यक्ष दर्शन दिये। जो चरण चिन्ह आज भी तीर्थ स्वरूप पूजे जा रहे हैं। कई अजैन परिवारों को जिन्होंने गोत्र प्रदान किये एवं वर्तमान में अनेक भक्तों के संकटों को दूर कर उनकी मनोकामनाएं पूर्ण की।

चतुर्थ दादा गुरुदेव अकबर प्रतिबोधक
श्री जिनचन्द्र सूरिजी
अनेक राजा महाराजाओं को जिन्होंने प्रतिबोध दिया। अकबर जैसे महान् प्रतापी राजा के द्वारा जिन शासन की महत्ती प्रभावना करवायी। अनेक तीर्थों, मंदिरों एवं कल्याण भूमियों की प्रतिष्ठायें, नवनिर्माण एवं अहिंसा का नाद पूरे विश्व में फैलाया।

मंगल आशीर्वाद : प.पू. खरतर गच्छाधिपति युगदिवाकर, अवन्ती तीर्थोद्धारक, आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी म.सा
* पावन निश्रा एवं सान्निध्य *
प.पू. मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी म.सा * प.पू. मुनिराज श्री मुकुलप्रभ प्रभसागरजी म.सा

मंगलमय कार्यक्रम 17/2/26, मंगलवार
वरघोड़ा : प्रातः 9.00 बजे (विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी बसवनगुडी से प्रारम्भ) बैंगलोर के विविध मंडल अपनी गणवेश में उपस्थित रहेंगे।
गुरुदेव गुणानुवाद सभा : प्रातः 9.30 बजे
दादा गुरुदेव पूजा : 2.00 बजे से (अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा)
गुरुदेव की भक्ति भावना : रात्रि 7.30 बजे से

* लाभार्थी *
रत्न. श्री पन्नालाल जी पारख हालावाले की पुण्य स्मृति में
विनोदकुमार, प्रकाशचन्द, पारसकुमार, मुकेशकुमार महावीर, सुधीर, राजाबाबू, प्रवीण, संजीव, अमित, विकास, श्रेयांश एवं समस्त पारख परिवार हालावाले, व्यावर - बैंगलोर

भक्ति 7.30 बजे
सुप्रसिद्ध रंगीतकार
महेन्द्र कुमारजी बागरेचा
(श्री सीमंधर स्वामी जैन संगीत मंडल)
श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल
श्री जिन कुशल सूरी संगीत महिला मंडल

कार्यक्रम स्थल : श्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन, 89/90, गोविन्दप्पा रोड, बसवनगुडी बैंगलोर

गुरुदेव की पुण्यतिथि के अवसर पर आप सभी सदस्यों की उपस्थिति सपरिवार सादर प्रार्थनीय है।

वंदनकर्ता

शा. तेजराजजी मनोजकुमारजी मालानी
श्रीमती रुक्मणीदेवी पृथ्वीराजजी गुलेच्छा
शा. बाबूलालजी प्रवीणकुमारजी भन्साली
शा. महेन्द्र कुमारजी ललितकुमारजी रांका
श्रीमती कमलादेवी माणकचन्दजी कोठारी
शा. बहादुरजी सुशीलादेवी कांकरिया
शा. बाबूलालजी मुकेशकुमारजी धारीवाल
शा. दिलीपकुमारजी कुनालकुमारजी मरलेचा
श्रीमती धर्मीदेवी छगनलालजी भन्साली
श्रीमती देवीबाई नैनमलजी बाफना
शा. पन्नालालजी गौतमचंदजी कवाड
श्रीमती नेमीबाई सरदारमलजी संकलेचा
श्रीमती प्रकाश कंवरजी रेखचंदजी डाकलिया
श्रीमती प्रेमलता सज्जनसिंहजी खटोड़
शा. समरथमलजी सोनाजी रांका
श्रीमती शांतिदेवी चुन्नीलालजी गुलेच्छा
श्रीमती ललितादेवी पुखराजजी शाह
रनजीत पेपर्स
शा. नरेन्द्रकुमारजी अंकितकुमारजी पारख
शा. विनोदकुमारजी जितेन्द्रकुमारजी चौपड़ा
शा. पंकजकुमारजी क्रिशकुमारजी बाफना
श्रीमती पानीदेवी रिखबचंदजी फोफलिया
संघवी श्रीमती भंवरीदेवी पारसमलजी भंसाली
शा. घेवरचंदजी कुशलराजजी साकरिया
श्री जिन कुशल सूरी सामायिक मंडल, बसवनगुडी
श्री जिन कुशल सूरी संगीत महिला मंडल, बसवनगुडी बैंगलोर
शा. विजयराजजी रेखाजी लोढ़ा

संघवी श्रीमती शांतिदेवी पुखराजजी गुलेच्छा
शा. मोतीलालजी सुशीलकुमारजी ललवानी
शा. निर्मलालालजी लालचंदजी गुलेच्छा
संघमाता श्रीमती इन्द्रजबाई चम्पालालजी डोसी
शा. संजीव कुमारजी विकासकुमारजी पारख हालावाला
शा. पृथ्वीराजजी हरीशकुमारजी श्रीश्रीमाल
शा. सम्पतराजजी इन्दिरादेवी वासा
श्रीमती पांचीदेवी जबरचंदजी पगारिया
शा. गौतमकुमारजी निकेशकुमारजी बाफना
शा. नवरतनकुमारजी अंकितकुमारजी गुलेच्छा
शा. मदनलालजी नीलेशकुमारजी बाफना
श्रीमती लक्ष्मीदेवी सुपुत्र दीपककुमारजी छाजेड़
स्वामित्वा ग्रुप
श्रीमती यशोदादेवी देवीचंदजी गुलेच्छा
शंखेश्वर ज्वैल्स
शा. पारसमलजी अल्केशकुमारजी पगारिया
श्रीमती कमलादेवी मेवाराजजी मालू
शा. राजेन्द्रकुमारजी त्रिलोकचंदजी बोथरा
शा. किशनलालजी नगीकुमारजी चौरड़िया
शा. रमेशकुमारजी नयनकुमारजी धारीवाल
श्रीमती पुष्पादेवी सज्जनराजजी कोठारी
शा. नेमीचंदजी नरेशकुमारजी नाहर
शा. गौतमचंदजी संदीपकुमारजी छाजेड़
श्रीमती जड़ावीदेवी कपूरचंदजी पालरेचा
श्रीमती कृष्णादेवी गोरधनदासजी रतनपुरा बोहरा
श्रीमती स्वातिजी धीरजजी गोलछा
शा. पारसमलजी अल्केश कुमारजी पगारिया
शा. भरतकुमारजी नीलेशकुमारजी मेहता
शा. आनन्द कुमारजी दीपक कुमारजी चौपड़ा
शा. उज्वल कुमारजी हेमन्त कुमारजी गोलेच्छा

आयेजक : श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुडी बैंगलोर

निवेदक : श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ | श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल | अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् | अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद्

16-02-2026 सूर्यास्त 6:25 बजे | 17-02-2026 सूर्योदय 6:41 बजे

BSE	NSE
82,626.76 (-1,048.16)	25,471.10 (-336.10)

सोना	चांदी
16,243 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	240,218 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रोको संतति

चाहे कितने हों संसाधन,
सीमाएं फिर भी है निश्चित।
धरती की अपनी मर्यादा,
इससे संयुक्त सभी के हित।
यदि ना संभले दोहन करते,
तो महा समर है संभावित।
रोको संतति की प्रचुर वृद्धि,
करना होगा इसको सीमित।।

राहुल गांधी अमेरिका-यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौतों को लेकर झूठ फैला रहे हैं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापार समझौतों को लेकर किसानों को गुमराह करने और झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने रेखांकित किया कि सरकार ने देश के कृषि और दुग्ध उत्पादन क्षेत्रों की पूरी तरह से सुरक्षा की है।

शाह ने व्यापार समझौतों से भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचने के विपक्षी दल के आरोपों को ''हास्यास्पद'' बताया। उन्होंने कहा, ''जब कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी संसद में खड़े होकर किसानों की सुरक्षा की बात करते हैं तो मुझे हंसी आती है। कांग्रेस का देश को गुमराह करने का एक लंबा इतिहास रहा है और अब वे व्यापार समझौतों को लेकर झूठ फैला रहे हैं।''

शाह भारत की पहली केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरुआत करने के बाद गांधीनगर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार ने हर समझौते में किसानों के हितों की पूरी सुरक्षा

सुनिश्चित की है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, ''राहुल गांधी झूठ फैला रहे हैं कि यूरोपीय संघ, इंग्लैंड और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते हमारे किसानों को नुकसान पहुंचाएंगे और हमारे डेयरी उद्योग को खत्म कर देंगे। मैं इस देश के किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक समझौते में उनके हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।''

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में भारतीय कृषि के लिए हानिकारक समझौते किए गए थे और प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में पदभार संभालते ही ऐसे प्रावधानों को रद्द कर दिया।

कांग्रेस की इस आलोचना का उल्लेख करते हुए कि ये समझौते भारत के डेयरी क्षेत्र को नष्ट कर देंगे, शाह ने कहा कि राहुल गांधी झूठ फैला रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन समझौतों पर हस्ताक्षर करके भारत के डेयरी क्षेत्र को खत्म कर दिया है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, ''हमने डेयरी क्षेत्र का विस्तार किया है, इसे कमजोर नहीं किया। सभी समझौतों में डेयरी (क्षेत्र) को पूर्ण संरक्षण दिया गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गांधी को इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी जी, कोई भी मंच चुन लीजिए। यहां तक कि भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी आकर आपसे इस बात पर बहस कर सकते हैं कि किसने किसानों को नुकसान पहुंचाया है और किसने उनके कल्याण के लिए काम किया है।''

दिल्ली कारोबारी हत्या मामला: लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। उत्तरी दिल्ली के बाहरी इलाके में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में हाल ही में 35 वर्षीय व्यवसायी की हत्या के सिलसिले में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने कुछ संदिग्धों को रोका। चुनौती दिए जाने पर आरोपियों ने कथित तौर पर भागने के प्रयास में पुलिस दल पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे संक्षिप्त मुठभेड़ हुई। गोलीबारी के दौरान, एक आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे काबू में कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दो अन्य को बाद में गिरफ्तार किया गया, जिससे इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या पांच हो गई है। पुलिस ने यह भी बताया कि इस अभियान के दौरान उनके किसी भी जवान को गंभीर चोट नहीं आई। प्लास्टिक दाना निर्माता वैभव गांधी की नौ फरवरी को दोपहर करीब 12.50 बजे डीएसआईआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर चार में स्थित उनके कारखाने के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई।

जांचकर्ताओं ने बताया था कि हमले में दो लोग शामिल थे। हमलावरों ने कथित तौर पर पहले पीड़ित की कार की चाबियां छीनने की कोशिश की और जब उसने विरोध किया तो उसका लैपटॉप बैग जबरदस्ती छीन लिया और फिर उसे करीब से गोली मार दी। घटना के बाद पुलिस ने गांधी की कार से करीब एक करोड़ रुपए भी बरामद किए थे। एक दिन बाद, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम से कथित तौर पर जारी एक सोशल मीडिया पोस्ट में हत्या की जिम्मेदारी ली गई। 'रणदीप मलिक अनिल पंडित' नाम के एक अकाउंट से की गई इस पोस्ट में दावा किया गया कि हत्या लॉरेंस बिश्नोई, जितेंद्र गोगी मान, हाशिम बाबा और काला राणा सहित कई गिरोहों की ओर से की गई थी। पोस्ट में आरोप लगाया गया था कि गांधी गिरोह की गतिविधियों में हस्तक्षेप कर रहे थे और उनके संचालन में बाधा डालने वाले किसी भी व्यक्ति को इसी तरह के परिणामों की चेतावनी दी गई थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि मोटरसाइकिल पर आए हमलावरों ने गांधी का करीब 40-50 मीटर तक पीछा किया और कई गोलियां चलाईं।

सीतारमण का लगातार नौ बजट पेश करना पूरे देश की महिलाओं को प्रेरित करने वाला : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौ बजट पेश करना राष्ट्रीय गर्व की बात है और इस उपलब्धि से देश भर की कई महिलाएं प्रेरित महसूस कर रही हैं। सीतारमण एक फरवरी को लगातार नौ बजट पेश करने वाली एकमात्र वित्त मंत्री बन गईं। वह पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा पेश किए गए 10 बजट के रिकॉर्ड से सिर्फ एक कदम दूर हैं। देसाई ने 1959 से 1964 तक वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान छह बजट और 1967 से 1969 के बीच चार बजट पेश किए थे। प्रधानमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ''वास्तव में यह राष्ट्रीय गौरव की बात है कि हमारी वित्त मंत्री निर्मला जी ने लगातार नौ बार बजट पेश किया है, जो एक रिकॉर्ड और गर्व की बात है।''

उन्होंने कहा, ''देश भर में कई महिलाएं इससे प्रेरित महसूस करती हैं।'' पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और प्रणब मुखर्जी ने क्रमशः नौ और आठ बजट पेश किए थे, लेकिन अलग-अलग प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में।

इमारत के तहखाने में आग लगने से पांच लोग घायल, 40 दोपहिया वाहन नष्ट

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में रविवार तड़के एक इमारत के तहखाने में आग लगने से पांच लोग घायल हो गए और 40 दोपहिया वाहन जलकर नष्ट हो गए। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि डोंबिवली कस्बे के सागांव इलाके में स्थित एक आवासीय भवन के तहखाने में स्थित पार्किंग में आग सुबह करीब चार बजे लगी। कल्याण डोंबिवली नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी नामदेव चौधरी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि एक महिला झुलस गई, जबकि एक व्यक्ति इमारत की पहली मंजिल स्थित एक फ्लैट से कूदने के बाद घायल हो गया और तीन अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। उन्होंने बताया कि घायल हुए सभी व्यक्ति पहली मंजिल पर रहते थे और उनका उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि तहखाने में कम से कम 40 दोपहिया वाहन आग में नष्ट हो गए। उन्होंने बताया कि दो दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर एक घंटे के भीतर काबू पाया। उन्होंने कहा कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के अप्रैल में लागू होने की संभावना : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई, 2025 में हस्ताक्षरित भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के अप्रैल, 2026 में लागू होने की संभावना है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। भारत और ब्रिटेन ने 24 जुलाई, 2025 को वृहद आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत उत्पाद ब्रिटेन में बिना किसी शुल्क के भेजे जा सकेंगे, जबकि भारत में ब्रिटेन से आने वाली कारों और व्हिस्की पर कम शुल्क लगेगा। अधिकारी ने बताया, ''हमें इस समझौते के अप्रैल में लागू होने की उम्मीद है।'' दोनों देशों ने दोहरा अंशदान संधि (डीसीसी) पर भी हस्ताक्षर किए हैं, ताकि अस्थायी कर्मचारी किसी भी देश में दो बार सामाजिक कर न दें। अधिकारी ने बताया कि दोनों समझौते एक साथ लागू किए जा सकते हैं।

सरकार गैर निर्धारित विमानन परिचालकों और अनियंत्रित हवाई क्षेत्रों का 'गहन अध्ययन' कर रही है : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार गैर-निर्धारित ऑपरेटर और अनियंत्रित हवाई पट्टियों द्वारा किए जा रहे उड़ान संचालन का गहन अध्ययन कर रही है, ताकि यह देखा जा सके कि किन क्षेत्रों में कदम उठाने की आवश्यकता है।

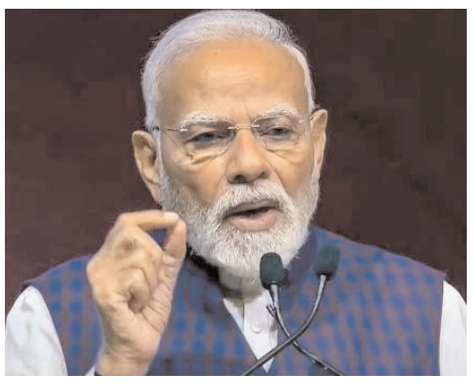

गत 28 जनवरी को वीएसआर वेंचर्स के स्वामित्व वाले 'लियरजेट 45' विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद गैर-निर्धारित परिचालकों के उड़ान संचालन नियामक जांच के घेरे में आ गए हैं। इस दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस महीने की शुरुआत में ही एनएसओपी का एक विशेष सुरक्षा ऑडिट शुरू कर दिया है। नायडू ने बताया कि नागर विमानन मंत्रालय एनएसओपी के साथ-साथ अनियंत्रित हवाई पट्टियों का भी 'गहन अध्ययन' कर रहा है। उन्होंने कहा कि एनएसओपी और अनियंत्रित हवाई पट्टियों के संबंध में जहां भी सुधार की आवश्यकता होगी, उन पहलुओं की जांच की जाएगी। इस साल, 28 जनवरी को लियरजेट 45 विमान बारामती हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। एनएसओपी आमतौर पर वे संस्थाएं होती हैं, जिनकी उड़ानों की कोई निश्चित समय-सारणी नहीं होती और वे मुख्य रूप से विशेष उड़ानों का संचालन करती हैं।

'देश के मुसलमान 'संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण दौर' से गुजर रहे हैं'

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक ने रविवार को कहा कि देश में मुसलमान एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, जिससे समुदाय के कुछ वर्गों में चिंता व असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में एक धार्मिक सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मीरवाइज ने कहा कि मस्जिदों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, मुसलमानों की संपत्तियों को नष्ट किया जा रहा है और मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं।

सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद खरीदार उत्साहित, गिरावट को अवसर मान रहे : टाइटन एमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाइटन कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) अजय चावला ने कहा है कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भारतीय खरीदारों को प्रभावित नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ग्राहक अब कीमतों में गिरावट को अवसर मानकर बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, बिलकुल शेयर निवेशकों की तरह।

चावला ने कहा कि पहले कई ग्राहक महंगी कीमतों के कारण सोना खरीदने में देरी करते थे, लेकिन अब उन्होंने अपनी रणनीति बदल ली है और कीमत गिरने पर सोना खरीदना शुरू कर दिया है, बजाय इसके कि अनिश्चित समय तक इंतजार करें।

चावला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लोगों ने लंबे समय तक इंतजार करने में नुकसान उठाया है, इसलिए अब वे हर कीमत गिरावट का फायदा उठाकर सोने की खरीद कर रहे हैं, जैसे शेयर बाजार में करते हैं।

उन्होंने माना कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, लेकिन मांग मजबूत बनी हुई है।

चावला ने कहा, ग्राहक इसमें हिस्सा लेने की कोशिश करेंगे। जो लोग पिछड़ गए, वे अब खरीदने आएंगे। उन्होंने कहा कि इससे लोगों की सोने के प्रति मजबूत रुचि और विश्वास का पता चलता है।

टाइटन की आभूषण कारोबार इकाई इस रुझान से लाभान्वित हुई है। टाइटन की आभूषण इकाई में प्रमुख ब्रांड तानिष्क शामिल है।

सोने की कीमतों में फरवरी, 2026 की शुरुआत में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। 10 ग्राम के लिए कीमतें करीब 1.61 लाख रुपए तक बढ़ीं और फिर वैश्विक संकेतों और मुनाफा निकालने के कारण हाल ही में गिरावट आई।

चावला के अनुसार, कई लोग जिन्होंने साल के पहले छह महीनों में सोने की खरीद में देरी की थी, उन्होंने त्योहारी और शादी के सीजन से पहले सोना खरीदना शुरू कर दिया क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि कीमतें अब और नहीं गिरेंगी।

एआई का जन-केंद्रित, समावेशी होना जरूरी : आईटी सचिव कृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एआई इम्पैक्ट समिट से पहले सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस कृष्णन ने कहा है कि भारत दुनिया को जो खास संदेश देना चाहता है, वह यह है कि कृत्रिम मेधा (एआई) को जन-केंद्रित और समावेशी रहना चाहिए और इसमें एआई संसाधनों तक लोकतांत्रिक तरीके से पहुंच हो।

कृष्णन ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, ''एआई को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक ताकत होना चाहिए, जिसमें भारत और वैश्विक दक्षिण सहित दुनिया के सभी हिस्सों में वृद्धि को बढ़ावा देने की क्षमता हो।

कृष्णन ने कहा, ''हम जो खास संदेश देना चाहते हैं, वह यह है कि एआई के साथ जो कुछ भी हो, वह जन-केंद्रित और समावेशी होना चाहिए। एआई संसाधन तक लोकतांत्रिक पहुंच होनी चाहिए, और इसे इस तरह से किया जाना चाहिए कि लोग और इंसान इस प्रक्रिया के केंद्र में हों।'' जैसे-जैसे देश अलग-अलग क्षेत्र में एआई को गहराई से अपनाने की तैयारी कर रहे हैं, भारत उभरती प्रौद्योगिकी की दुनिया में बराबर वृद्धि के लिए खुद को एक आवाज़ के तौर पर पेश कर रहा है। कृष्णन के अनुसार, बड़ा लक्ष्य यह पक्का करना है कि एआई सच में एक समावेशी प्रौद्योगिकी बने, जिसमें खुशहाली का फायदा सभी तक पहुंचे। भारत, इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 की मेजबानी करने के लिए पूरी

तरह तैयार है। यह देश को एआई के कामकाज के तरीके, सुरक्षा और आर्थिक वृद्धि पर जरूरी वैश्विक वार्ता के केंद्र में रखेगा। यह शिखर सम्मेलन नीति-निर्माताओं, उद्योग के दिग्गजों और प्रौद्योगिकी नवोन्मेषकों को ऐसे समय में एक साथ लाएगा जब देश एआई एजेंडा तय करने की होड़ में लगे हैं। कृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि एआई को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक 'सकारात्मक प्रभाव' के तौर पर इस्तेमाल किया जाना चाहिए, जो दुनिया को तेजी से वृद्धि की राह पर ले जा सके। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का मकसद आने वाले वर्षों में वैश्विक प्रक्रियाओं को आकार देने वाली प्रौद्योगिकी को कैसे अपनाया जाए, इस पर देशों के बीच सोच को बढ़ावा देना है। कृष्णन ने कहा, ''हमें इसे पूरी अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत बड़े सकारात्मक प्रभाव के तौर पर देखना होगा। उन्होंने कहा कि इस बड़ी बैठक में निवेश की घोषणाएं और भागीदारी हो सकती हैं, लेकिन यह शिखर सम्मेलन एआई की वैश्विक समझ को गहरा करने, इंसानियत पर इसके असर का आकलन करने और सभी के लिए इसके सकारात्मक और फायदेमंद असर को ज़्यादा से ज़्यादा करने के लिए जरूरी कदमों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच है।

एआई का इस्तेमाल बढ़ने के साथ घट रही हैं प्रवेश स्तर की नौकरियां : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। कंपनियों के बीच कृत्रिम मेधा की स्वीकार्यता बढ़ने से विशेष रूप से प्रवेश स्तर की भर्तियां प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। ओपनआई के समर्थन से इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनमिक रिलेशंस (इक्रियर) के एक अध्ययन के मुताबिक, एआई को अपनाने से पूरे क्षेत्र में नियुक्तियों को लेकर प्राथमिकताएं बदल रही हैं। अध्ययन के अनुसार, 63% कंपनियों में डोमेन विशेषज्ञता और एआई या डेटा कौशल वाले कर्मचारियों की मांग बढ़ी है, क्योंकि एआई उनके मुख्य कामकाज के साथ एकीकृत हो गया है। 'एआई एंड जॉब्स: दिस टाइम इज नो डिफरेंट' शीर्षक वाली रिपोर्ट भारत में अब तक के जेन एआई स्वीकार्यता के कंपनी स्तर का आकलन है। यह अध्ययन नवंबर, 2025 और जनवरी, 2026 के बीच किया गया। इसमें भारत के 10 शहरों की 650 सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की प्रतिक्रिया शामिल है। इसमें बताया गया, ''कंपनियों ने कहा है कि एआई की वजह से नियुक्तियों में मामूली कमी आई है। मुख्य रूप से प्रवेश स्तर पर ऐसा देखने को मिल रहा है। साथ ही मध्यम और शीर्ष स्तर पर भर्तियों में स्थिरता भी है।'' रिपोर्ट कहती है कि सॉफ्टवेयर डेवलपर और डेटाबेस प्रशासक जैसे एआई की जरूरत वाले क्षेत्रों में मांग सबसे ज्यादा बढ़ी है।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच जारी, विदेशी खबरें भ्रामक : मुरलीधर मोहोल

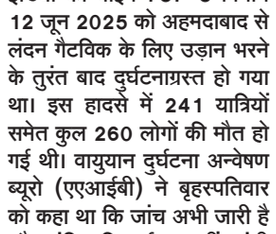

सांगली (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पिछले साल अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच से जुड़ी विदेशी मीडिया की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि जांच अभी जारी है। दरअसल इटली के एक समाचार पत्र ने अपनी खबर में दावा किया था कि हादसे की जांच कर रही एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में पायलटों को दोषी ठहराया है।

मोहोल ने शनिवार को सांगली में कहा, ''मैं आप सभी को बताना करना चाहता हूं कि हमारी जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। हमें अपनी एजेंसियों पर भरोसा करना चाहिए या बाहरी लोगों पर? हमारी एजेंसियां इस पर काम कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''अंतिम रिपोर्ट तैयार होने के बाद ही उस पर टिप्पणी करना उचित होगा।'' एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में 241 यात्रियों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने बृहस्पतिवार को कहा था कि जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। उसने यह भी कहा कि जांच पूरी होने संबंधी मीडिया की खबरें 'गलत और अटकलों पर आधारित' हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में 'म्यूल खाता' नेटवर्क का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली/श्रीनगर/भाषा। सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर में 'म्यूल खातों' के लगातार बढ़ते नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, और अधिकारियों को आशंका है कि इन खातों के माध्यम से भेजे गए धन का उपयोग अलगाववादी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

अधिकारियों ने बताया कि तीन वर्षों की अवधि में इस क्षेत्र में संचालित 8,000 से अधिक 'म्यूल खातों' की पहचान की गई है और इनसे लेन-देन रोक दिया गया है, जिससे धन शोधन के एक जटिल नेटवर्क का खुलासा हुआ है। उन्होंने इन खातों को साइबर अपराध श्रृंखला में ''सबसे कमजोर, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कड़ी'' बताया, क्योंकि इन खातों के बिना हेरफेर किए गए पैसे का क्रिप्टोकरेंसी में बदलना और इसका पता लगाना असंभव होगा। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों को बैंकों के साथ परामर्श करने के लिए कहा है, ताकि 'म्यूल खातों' की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाया जा सके और ऐसी वित्तीय धोखाधड़ी को सुविधाजनक बनाने वाले बिचौलियों की पहचान की जा सके। अधिकारियों को संदेह है कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा 2017 में जम्मू-कश्मीर में अवैध धन के प्रवाह पर की गई कार्रवाई के बाद, राष्ट्रविरोधी तत्व 'डिजिटल हवाला' के एक नए मॉडल की ओर रुख कर सकते हैं, जिसमें बिचौलियों द्वारा प्राप्त राशि का उपयोग देश के खिलाफ गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। आमतौर पर, 'म्यूल खाते' उपलब्ध कराने वाला बिचौलिया व्यक्ति न तो पीड़ितों से संपर्क करता है और न ही फर्जी लिंक भेजता है।

इसके बजाय, उनकी भूमिका गुप्त लेकिन महत्वपूर्ण होती है, वे ऐसे खातों की निरंतर आपूर्ति की व्यवस्था और रखरखाव करते हैं, जिनका उपयोग साइबर अपराधी अपनी पहचान उजागर किए बिना ठगी गए पैसे को प्राप्त करने और स्थानांतरित करने के लिए करते हैं। ये 'म्यूल खाते' अक्सर आम लोगों के होते हैं, जिन्हें ''कमीशन'' और न्यूनतम जोखिम के आश्वासन का लालच दिया जाता है। उन्हें यह कहकर अपने बैंक खातों का पूरा नियंत्रण, जिसमें नेट बैंकिंग विवरण भी शामिल हैं, सौंपने के लिए राजी किया जाता है कि इन खातों का उपयोग थोड़े समय के लिए किया जाएगा। अक्सर एक ही साइबर अपराधी को एक समय में 10 से 30 म्यूल खाते उपलब्ध कराए जाते हैं। इतना ही नहीं कई मामलों में, बैंक खाते फर्जी कंपनियों के नाम पर खोले जाते हैं, ताकि एक ही दिन में 40 लाख रुपए जैसी बड़ी रकम का लेन-देन बिना किसी संदेह के करना संभव हो जाता है।

लद्दाख प्रशासन छात्रों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है: उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने छात्रों के कल्याण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए रविवार को जोर दिया कि केंद्र शासित प्रदेश के भविष्य को आकार देने में शिक्षित युवाओं की भूमिका अहम है।

यहां 'ऑल लद्दाख स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन' के जम्मू चैप्टर के 27वें वार्षिक दिवस समारोह में उपराज्यपाल ने छात्रों से एकता की भावना और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के मूल्यों को बनाए रखते हुए अपनी भाषा, संस्कृति तथा जड़ों से जुड़े रहने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने कहा, ''लद्दाख प्रशासन छात्रों की चिंताओं को सुनने और उन्हें प्राथमिकता के साथ हल करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।'' उन्होंने दोहराया कि छात्र कल्याण सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। जम्मू में लेह और कारगिल जिलों के युवाओं की सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि 'लद्दाख स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन' महज एक संगठन नहीं है, बल्कि लद्दाख के युवाओं के दृढ़ संकल्प, अनुशासन और सपनों का प्रतिबिंब है। गुप्ता ने छात्रों से परंपरागत करियर विकल्पों से आगे सोचने का आह्वान करते हुए उन्हें स्टार्टअप, स्वरोजगार और

कौशल-आधारित क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, ''आज के युवाओं को केवल नौकरी चाहने वाला नहीं, बल्कि नौकरी का सृजनकर्ता बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि आज का भारत अपार अवसर प्रदान करता है और प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में नवाचार विकास के रास्तों को समाप्त करने के बजाय उनका विस्तार ही कर रहा है। गुप्ता ने युवाओं से निरंतर सीखने, नवाचार करने का आग्रह किया। 'विकसित भारत' की परिकल्पना का जिक्र करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि भारत के युवा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं।

एसआईआर के जरिये लोगों से नागरिकता छीनने की कोशिश कर रही है भाजपा : असदुद्दीन ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मतदाता सूचियों के एसआईआर के माध्यम से लोगों की नागरिकता अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही है।

ओवैसी ने एआईएमआईएम के 68वें पुनरुत्थान दिवस समारोह के हिस्से के रूप में शनिवार को आयोजित सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि बिहार के बाद तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया

जाएगा। हैदराबाद के सांसद ने आरोप लगाया, '' मैं जनता से अपील करता हूं कि जब एसआईआर कराया जाए, तो यह सुनिश्चित करें कि सभी वास्तविक नाम शामिल किए जाएं। भाजपा एसआईआर के जरिये लोगों की नागरिकता छीनना चाहती है। वह भारत निर्वाचन आयोग के माध्यम से संशोधन कराकर ऐसा करने की कोशिश कर रही है। '' तेलंगाना के चुनाव अधिकारियों ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूचियों की एसआईआर प्रक्रिया की घोषणा इस वर्ष अप्रैल-मई के दौरान होने की संभावना है। ओवैसी ने तेलंगाना में हाल ही में आयोजित मेडाराम जतारा आदिवासी उत्सव के दौरान कुछ यूट्यूबर्स द्वारा एक मुस्लिम पाव रोटी विक्रेता के कथित उत्पीड़न की भी निंदा की।

महाशिवरात्रि पर बेंगलूरु समेत प्रदेश के शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु सहित पूरे कर्नाटक प्रदेश के अन्य शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर जलाभिषेक किया और मंगल कामना की।

बलेपेट स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर की मंगला आरती के बाद श्रद्धालु कतारों में लगकर दर्शन-पूजन कर रहे हैं।

मंदिर में सुगम दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई। प्रसाद का वितरण हुआ। मल्लेश्वरम के काडुमलैश्वरम स्वामी मंदिर, एचएएल रोड स्थित विशाल शंकर मूर्ति मंदिर, गविगंधेश्वर मंदिर, चन्द्रमौलीश्वरम मंदिर सहित अनेक मंदिरों में भी सुबह से ही भक्तों की भीड़ रही। कई जगह भक्तों ने भगवान शंकर की मूर्ति पर जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक आदि कर उन्हें प्रसन्न किया। जगह जगह पर रात्रि जागरण के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

शादी में शामिल होने गई महिला लापता, कपड़े और सामान बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के हासन जिले में एक 29 वर्षीय महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से इलाके में चिंता का माहौल है। बेलूर तालुक के काल्केरे के पास उसके कुछ निजी सामान अलग-अलग स्थानों से बरामद किए गए हैं, जिनमें कपड़े और चप्पल शामिल हैं। इस घटनाक्रम ने मामले को गंभीर बना दिया है। लापता महिला की पहचान प्रियंका के रूप में हुई है, जो तुमकुरु जिले के कुनिगल की रहने वाली है। वह एक शादी में शामिल होने के लिए अकेले चिक्कमगलूरु गई थीं। पुलिस के अनुसार, उन्हें आखिरी बार 12 फरवरी की रात करीब 8 बजे हासन जिले के बेलूर बस स्टैंड के पास देखा गया था। हासन के पुलिस अधीक्षक शुभंविता ने शनिवार को बताया कि महिला की गुमशुदगी के संबंध में पहले बेलूर पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में अरेहल्ली पुलिस स्टेशन स्थानांतरित कर नियमित एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि आज सुबह लापता महिला के कपड़े, चप्पल और बैग बरामद किए गए हैं। उसका कुर्ता और अन्य सामान तीन अलग-अलग स्थानों से मिला है। जांच जारी है और हम तकनीकी साक्ष्य एकत्रित कर रहे हैं। महिला का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रियंका के लापता होने के समय उनके पास लगभग 30 लाख रुपए मूल्य के सोने के गहने होने की आशंका है। इसी आधार पर संदेह जताया जा रहा है कि गहनों के लिए उनका अपहरण हो सकता है और उनके साथ हिंसा की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। परिजनों के मुताबिक, प्रियंका ने उसी शाम करीब 7:30 बजे फोन कर बताया था कि वह किसी के साथ है और इसके तुरंत बाद कॉल कट गया। बाद में उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ पाया गया।

परिवार ने आरोप लगाया है कि शुरुआती शिकायत के बावजूद पुलिस की ओर से तुरंत कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि पहले दिन घटनास्थल पर कोई कपड़ा नजर नहीं आया था। बाद में सामान मिलने से संदेह और गहरा गया है। हासन ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। खोजी कुत्तों और फोरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल की जांच की जा रही है। पुलिस ने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। प्रियंका के परिवार ने अरेहल्ली और बेलूर पुलिस पर शुरुआती चरण में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय रहते त्वरित कार्रवाई की जाती तो संभवतः प्रियंका का सुराग जल्द मिल सकता था। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

भाजपा विधायक बी. बसवराज को हत्या मामले में सात दिन के लिए सीआईडी की हिरासत में भेजा गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बी. ए. बसवराज को हत्या के मामले में रविवार को सात दिन के लिए सीआईडी की ड्डहिरासत में भेज दिया गया। के आर पुरम के विधायक बसवराज को यहां मजिस्ट्रेट के आवास पर लगी अदालत पेश किया गया, जहां से उन्हें विस्तृत जांच के लिए सात दिन की सीआईडी हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि सरकारी श्री जयदेव हृदय रोग विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के चिकित्सकों द्वारा बसवराज की चिकित्सकीय स्थिति स्थिर बताए जाने के बाद उन्हें सीआईडी हिरासत में भेजा गया है।

पूर्व मंत्री बसवराज पर पिछले साल 15 जुलाई को रियल एस्टेट कारोबारी और कुख्यात अपराधी शिवप्रकाश उर्फ बिकला शिवा की हत्या का आरोप है। बसवराज ने अग्रिम जमानत से इनकार के उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी, हालांकि उच्चतम न्यायालय से भी याचिका खारिज होने के बाद उन्हें बृहस्पतिवार को अहमदाबाद से बेंगलूरु हवाई अड्डे पर आते ही सीआईडी अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अनिवार्य चिकित्सा परीक्षण के दौरान, विधायक ने अपनी हृदय स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की, जिसके बाद चिकित्सकों ने हृदय रोग के उपचार में विशेषज्ञता वाले अस्पताल से राय मांगी।

बेंगलूरु की एक अदालत ने चिकित्सा राय के आधार पर शुक्रवार को बसवराज को मूल्यांकन के लिए श्री जयदेव हृदय रोग विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान में भर्ती कराने का निर्देश दिया। इस बीच, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और पार्टी के कुछ अन्य नेता बसवराज के आवास पहुंचे और उनके परिवार के सदस्यों व समर्थकों से मिलकर एकजुटता व्यक्त की।

महाशिवरात्रि

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को महाशिवरात्रि के मौके पर चामराजपेट में श्रीमाले महादेश्वर मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। इस मौके पर मंत्री वेंकटेश भी मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके नेलमंगला के पास एक कार और केएसआरटीसी बस की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार आधी रात को हुई, जब बेंगलूरु की ओर जा रही कार कथित तौर पर डिवाइडर से टकराकर विपरीत लेन में चली गई और सामने से आ रही बस से जा टकराई।

पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। अधिकारियों को संदेह है कि कार तेज गति से जा रही होगी और चालक ने नियंत्रण खो दिया होगा, जिसके कारण दुर्घटना हुई।

दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की उम्र 17 से 22 वर्ष है, ये डोड्डाबल्लापुरा के निवासी थे। हालांकि, बस में सवार सभी 43 यात्रियों को कोई खास चोट नहीं आई। दुर्घटना के बाद, बस यात्रियों को आगे की यात्रा के लिए दूसरी बस में स्थानांतरित किया गया।

मदनायकानहल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है। संयुक्त पुलिस आयुक्त कार्तिक रेड्डी ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी और यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या कार के चालक और उसमें सवार लोगों ने शराब का सेवन किया था। उन्होंने पत्रकारों को बताया हमने रक्त के नमूने एकत्र कर लिए हैं और उन्हें जांच के लिए एफएसएल भेज दिया है। उनकी पृष्ठभूमि की भी जांच की जा रही है।

पीड़ितों में से एक की मां ने पत्रकारों को बताया कि उनके बेटे ने उनसे कहा था कि वह मंदिर जा रहा है और उसे देर हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''मैंने अपना बेटा खो दिया है, जो बालिग हो चुका था... वह सीसीटीवी कैमरा ऑपरेटर के रूप में काम करता था। वे (सभी मृतक) सभी दोस्त थे, मुझे नहीं पता कि यह कार किसकी है।''

कर्नाटक सीएमओ विवाद : भाजपा नेता ने की 'फर्जी' तबादला पत्र की फॉरेंसिक जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक वी सुनील कुमार ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जुड़े एक कथित जाली दस्तावेज की फॉरेंसिक जांच की मांग करते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उनका यह बयान पुलिस की ओर से शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय की शिकायत पर मामला दर्ज किए जाने के बाद आया है। शिकायत में कहा गया कि सोशल मीडिया पर एक फर्जी नोट प्रसारित किया गया, जिसमें गलत दावा किया गया कि मंड्या के एक जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी को मैसूरु में आबकारी उपायुक्त नियुक्त किया गया है। विधान सौधा थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ जालसाजी और जाली दस्तावेज के इस्तेमाल के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। सीएमओ ने आरोप लगाया कि यह कृत्य मुख्यमंत्री और राज्य की कांग्रेस सरकार को बदनाम करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया गया। भाजपा विधायक कुमार ने शनिवार को एक पोस्ट में कहा, ''अगर मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर वाला पत्र ही फर्जी है, तो क्या हमें मुख्यमंत्री कार्यालय के कामकाज पर गौर नहीं करना चाहिए?''

उन्होंने आरोप लगाया कि इससे प्रशासनिक चूक पर गंभीर सवाल उठते हैं और दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या केवल पद पर ध्यान दे रहे हैं, कार्यालय के कामकाज पर नहीं। फॉरेंसिक जांच की मांग करते हुए कुमार ने कहा कि यदि पत्र फर्जी है तो उस पर मौजूद हस्ताक्षर की प्रामाणिकता भी जांची जानी चाहिए और इसके लिए हस्ताक्षर को फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाल भेजा जाना चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि वह असली है या जाली। उन्होंने आशंका जताई कि यह मुख्यमंत्री कार्यालय के भीतर जारी कोई बड़ा 'लेटरहेड घोटाला' भी हो सकता है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि फर्जी पत्र बनाना और फैलाना निंदनीय व बेहद गंभीर अपराध है। उन्होंने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से जानकारी साझा करने से पहले उसकी पुष्टि करने की अपील की और आगाह किया कि फोटोशॉप या कृत्रिम मेधा (एआई) के दौर में अपुष्ट सामग्री फैलाना भी अपराध हो सकता है।

मुलाकात

बेंगलूरु के के आरपुरम स्थित पूर्व मंत्री एवं विधायक बैरथी बसवराज के घर पर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात करते हुए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा। इस मौके पर उनके साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल, राज्य महासचिव प्रीतम गौड़ा, राज्य सचिव शरणू तल्लीकेरे, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस हरीश, पूर्व मंत्री वरथुरु प्रकाश, केआरपुरम अध्यक्ष मुनेगौड़ा भी थे।

आमंत्रण

बेंगलूरु में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात की और उन्हें अपनी बेटी की सगाई समारोह में आमंत्रित किया।

शशिकला ने शुरू किया बैठकों का दौर, जयललिता की जयंती पर कर सकती हैं बड़ी घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) की अंतरिम महासचिव और दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने राज्य भर में अपने सदस्यों के साथ गहन विचार-विमर्श शुरू किया है। शशिकला के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह राजनीतिक माहौल और अपने गुट की संगठनात्मक ताकत का आकलन करने के लिए पूर्व विधायकों, जिला स्तरीय पदाधिकारियों और लंबे समय से समर्थकों के साथ बातचीत कर रही हैं। परामर्श प्रक्रिया 18 फरवरी तक जारी रहने वाली है और उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में अंतिम निर्णय 24 फरवरी को जयललिता की जयंती से पहले आने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार यह तारीख एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं के लिए भावनात्मक और प्रतीकात्मक महत्व रखती है।

हालांकि शशिकला के पास वर्तमान में एआईएडीएमके में कोई औपचारिक पद नहीं है, फिर भी वह इस बात पर जोर देती हैं कि वह इसकी सही महासचिव हैं। उनके समर्थकों का तर्क है कि अब समय आ गया है कि उनका समूह चुनावी राजनीति में फिर से सक्रिय हो जाए, न कि हाशिए पर रहे, जैसा कि 2021 के विधानसभा चुनावों में हुआ था।

उनके खेमे के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि इन मुलाकातों का उद्देश्य शशिकला को यह समझाना है कि उनके समूह को चुनावी मैदान में उतरना चाहिए और अपनी उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए। हालांकि, भ्रष्टाचार के एक मामले में 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद से शशिकला की अयोग्यता जारी रहने के कारण वह स्वयं 2026 के चुनावों में चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। उनकी अयोग्यता की अवधि अगले साल की शुरुआत में ही समाप्त होने वाली है।

उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरन ने 2018 में अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कझगम (एएमएमके) की शुरुआत की थी और शुरुआत में उन्होंने शशिकला को महासचिव बनाया था, जब वह बेंगलूरु में अपनी सजा काट रही थीं। इसके बाद में उन्होंने यह पद संभाला और तब से स्वतंत्र राजनीतिक रुख अपनाए हुए हैं। इस बीच, एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने शशिकला या पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम को पार्टी में शामिल करने की संभावना से इनकार कर दिया है।

कांग्रेस ने महिला सहायता योजना को लेकर द्रमुक पर साधा निशाना

चेन्नई। तमिलनाडु में कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रवीण चक्रवर्ती ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की प्रमुख महिला सहायता योजना पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि चुनाव जीतने के लिए केवल इसी योजना पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में सत्ता में रहते हुए इसी तरह की पहल की घोषणा करने वाली नौ राजनीतिक पार्टियों में से पांच चुनाव हार गईं। इनमें तेलंगाना में कांग्रेस और युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) शामिल हैं।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घोषणा की है कि सरकार 'कलैग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना की महिला लाभार्थियों के खातों में 5,000 रुपये जमा करेगी। चक्रवर्ती प्रोफेशनल्स कांग्रेस एंड डेटा एनालिटिक्स के अध्यक्ष हैं और उनकी यह टिप्पणी मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा घोषणा किए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

चक्रवर्ती ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'मगलीर उरिमाई थोगई योजना एक बहुत अच्छी कल्याणकारी पहल है; इसका कार्यान्वयन सराहनीय है। लेकिन यह मानना अंधविश्वास है कि केवल इसी से चुनावी सफलता सुनिश्चित हो जाएगी।''चक्रवर्ती ने उन राजनीतिक दलों के बारे में भी जानकारी साझा की जो चुनाव हार गए थे, जिनमें राजस्थान और छत्तीसगढ़ में क्रमशः कांग्रेस की 'महंगाई राहत' और 'गृह लक्ष्मी योजना' शामिल थीं। कांग्रेस पार्टी को 2023 के चुनावों में दोनों राज्यों में हार का सामना करना पड़ा था।

सब कुछ शिव है, बाकी सब शव, श्री श्री रवि शंकर ने बताया महाशिवरात्रि का महत्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महाशिवरात्रि का महत्व बताते हुए श्री श्री रवि शंकर ने आईएएनएस से कहा, साल में 12 शिवरात्रि होती है, लेकिन माघ में पड़ने वाली शिवरात्रि को महाशिवरात्रि कहा जाता है। आज के दिन दुनियादारी की बातों को पीछे छोड़कर शिव तत्व में विलीन हो जाएं, शिव की पूजा करें और मन से शिव का जाप करें। इससे मानव जीवन का उद्धार हो जाएगा। भगवान शिव भोले-भंडारी हैं और उनसे जो कुछ मांगो वो आसानी से मिल जाता है, तो बिना किसी दिखावे के सिर्फ शिव का नाम लें। शिव के अलावा इस ब्रह्मांड में कुछ नहीं है। सब कुछ शिव है, बाकी सब शव है। श्री श्री रवि शंकर ने महाशिवरात्रि पर ध्यान के महत्व पर जोर दिया। उनका कहना है कि आज के समय में लोग तनाव और आशंकाओं से भरे हैं; मन में कई सवाल हैं कि कुछ हो पाएगा या नहीं। ऐसे में ध्यान अंतर-मन में बैठे शिव से मिलन का जरिया है। सिर्फ महाशिवरात्रि ही नहीं, बल्कि रोज अध्यात्म के जरिए शिवतत्व से जुड़े और अपने अंदर की परेशानियों को शिव को समर्पित कर दें। कीर्तन करें, मंत्रों का जाप करें, और मंत्र सुनने से भी मन को शांति मिलती है। उन्होंने आगे कहा, महाशिवरात्रि पर हमारे यहां सोमनाथ मंदिर के अवशेषों का रुद्राभिषेक होगा। पहले हमारे पास 2 अवशेष थे, लेकिन आज बारह हैं, और दूर-दूर से लोग शाम को होने वाले अभिषेक में हिस्सा लेने के लिए आ रहे हैं।

महाशिवरात्रि के मौके पर आर्ट ऑफ लिविंग अंतरराष्ट्रीय केंद्र पर 'रुद्र होम' अनुष्ठान हुआ। जिमें बड़ी संख्या में जिसमें भारतीय सिनेमा के सेलेब्स और विदेशों से आए लोग शामिल होंगे। इसी कड़ी में फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर ने महाशिवरात्रि का महत्व बताते हुए इसे आंतरिक शुद्धि का दिन बताया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सपत्नीक महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली एवं प्रगति की कामना की। शर्मा ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कर आरती उतारी। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास पर नियोजित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस

समय पर पहचान से 80 प्रतिशत बच्चों की बचाई जा सकती है जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर दिवस के अवसर पर रविवार को चिकित्सकों के एक समूह ने इस बात पर जोर दिया कि समय पर निदान और उचित उपचार के माध्यम से कैंसर से प्रभावित 80 प्रतिशत से अधिक बच्चों की जान बचाई जा सकती है। भगवान महावीर कैंसर अस्पताल में बाल कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवानी माथुर ने कहा कि बच्चों में कैंसर के मामले वयस्कों के कैंसर से भिन्न होते हैं और अक्सर तेजी से बढ़ते हैं, जिसके लिए विशेष उपचार की जरूरत होती है। हालांकि, बच्चों में इससे उबरने की दर अधिक होती है।

उन्होंने बताया कि बच्चों में कैंसर के सबसे आम प्रकारों में ब्लड कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, किडनी कैंसर और हड्डियों का कैंसर शामिल हैं। भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय के रक्त कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेन्द्र शर्मा ने बताया कि 'नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम' के अनुसार, भारत में कैंसर के कुल मामलों में से लगभग चार प्रतिशत मामले 0-14 वर्ष की आयु के बच्चों में होते हैं और हर साल लगभग 50,000 नए मामले सामने आते हैं। इन मामलों में ब्लड कैंसर की हिस्सेदारी 25-30 प्रतिशत है।

उन्होंने उल्लेख किया कि बीमारी का शुरुआत में पता लगने से इससे उबरने की संभावना काफी बढ़ जाती है। चिकित्सकों के अनुसार, सामान्य चेतावनी संकेतों में लगातार बुखार, वजन में असामान्य कमी, लंबे समय तक थकान, हड्डियों या जोड़ों में दर्द, बार-बार संक्रमण और असामान्य सूजन शामिल हैं। उन्होंने माता-पिता को सलाह दी कि वे लंबे समय तक रहने वाले लक्षणों को नजरअंदाज न करें और तुरंत चिकित्सीय परामर्श लें।

डॉ. शर्मा ने रेखांकित किया कि अस्पताल बच्चों को मुफ्त इलाज प्रदान करने के लिए दो परियोजनाएं चला रहा है। जीवनदान परियोजना के तहत 2014 से अब तक 10.73 करोड़ रुपये की लागत से 286 बच्चों का इलाज किया गया है, जिनमें से 178 को बच्चों को कैंसर मुक्त घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि 'विल्म्स ट्यूमर वेलफेयर इनिशिएटिव' के तहत 2016 से 21 बच्चों का इलाज किया गया है और वे सभी स्वस्थ हो चुके हैं।

राज्यपाल ने महाशिवरात्रि पर सबके कल्याण की कामना की

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को महाशिवरात्रि पर प्रज्ञा प्रवाह एवं युवा साथी संगठन द्वारा आयोजित शिवोऽहम' कार्यक्रम में भगवान शिव को स्मरण करते हुए सभी के मंगल की प्रार्थना की। राज्यपाल बागड़े ने इस दौरान भगवान शिव का अभिषेक करते हुए उनकी विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने बाद में कहा कि महाशिवरात्रि भगवान शिव का पावन पर्व है। शिव कल्याण और मंगल से जुड़े हैं। उनका स्मरण ही हमें सर्वकल्याण और शुभ के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने भगवान शिव से राष्ट्र की समृद्धि और संपन्नता के साथ सबकी खुशहाली की कामना की। राज्यपाल ने महाशिवरात्रि को भगवान शिव की साधना से जुड़ा पर्व बताते हुए कहा कि यह ध्यान, समर्पण और आंतरिक जागृति से जुड़ी हमारी संस्कृति का पावन उत्सव है।

राज्य बजट वर्ष 2026-27 से सवाई माधोपुर को मिलेगी विकास की नई गति : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन, मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सवाई माधोपुर जिले के जिला कलक्ट्रेट सभागार में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में राज्य बजट 2026-27 की प्रमुख विशेषताओं एवं सवाई माधोपुर जिले को मिली महत्वपूर्ण घोषणाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट 8 करोड़ प्रदेशवासियों के प्रति सरकार के कर्तव्यों का दस्तावेज है, जो महिला, युवा, किसान, मजदूर एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित है।

मंत्री ने बताया कि 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये के आकार वाला यह बजट वर्ष 2023-24 की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। यह आधारभूत विकास, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, ऊर्जा, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार, सुशासन एवं हरित विकास जैसे 10 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इसमें राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ प्रति व्यक्ति आय पहली बार 2 लाख रुपये से अधिक होने का अनुमान लगाया गया है।

डॉ. मीणा ने कहा कि प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए राज्य बजट में राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी का गठन करने, 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियां देने के लक्ष्य की दिशा में भर्ती प्रक्रियाओं को गति देने, इंफ्रास्ट्रक्चर पर अब तक का सबसे अधिक 3427 करोड़ पूंजीगत खर्च कर 42 हजार किलोमीटर की सड़के, आरयूबी एवं आरओबी पर 920 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। ग्रीष्म ऋतु में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराये जाने की दृष्टि से आगामी वर्ष में 600 ट्यूबेल व 1200 हेडपम्प लगाये जाना प्रस्तावित है वहीं अमृत 2.0 के तहत 3 लाख नए पेयजन कनेक्शन जारी किए जाएंगे, शिक्षा के लिए 69 हजार करोड़ रुपये तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 32 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रावधान किए गए हैं। ग्रीन बजट, नमो नर्सरी, ऑक्सीजन जोन तथा रूरल महिला बीपीओ जैसे नवाचार भी इस बजट की प्रमुख विशेषताएं हैं।

डॉ. मीणा ने कहा कि जिले में आपदा प्रबंधन के तहत जड़ावता क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा दीवार, खेतों मे मिट्टी भराव सहित अन्य कार्यों पर लगभग 75 करोड़ रुपये व्यय किए जाने का प्रावधान राज्य बजट में किया गया है। साथ ही, युवाओं के लिए सवाई माधोपुर में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) की स्थापना तथा प्रत्येक जिले में उद्योगों से जुड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल डेवलपमेंट एंड वोकेशनल ट्रेनिंग प्रारम्भ किया जाएगा जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेगें।

नागौर जिले में पुलिस ने 16 वाहन जब्त किए

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 10 करोड़ रुपये कीमत की मशीनें और वाहन जब्त किए हैं। इस संबंध में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने शनिवार को बताया कि पुलिस टीम ने जब प्रेमनगर और बैरावास की सीमा पर दबिश दी और मौके से पहाड़ों को काटने वाली चार विशालकाय पोकलेन मशीनें, तीन जेसीबी, चार डम्पर और तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इसके अलावा खनन माफिया द्वारा निगरानी में इस्तेमाल की जाने वाली एक एसयूवी व एक मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया। कुल मिलाकर 16 वाहन जब्त किए गए। एक बयान के अनुसार पुलिस ने अवैध खनन के आरोप में राधाकिशन, मदनलाल, जलीस, विष्णु, राजमल, नेमाराम, देवराजसिंह, शंकरसिंह और सुरेश कुमार चौधरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कैलादेवी थाना क्षेत्र के धौरेरा हार में छापेमारी कर 6067 किलो अवैध अफीम के हरे पौधे बरामद कर दो जनों को गिरफ्तार किया हैं।

हमारी प्राथमिकता राजस्व वृद्धि के साथ रोजगार का सृजन : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्यमंत्री ने राजस्थान में 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सेक्टर की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज देने की मंजूरी दी। बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों से प्रदेश में 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्यूफेक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस और मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, केमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन सेक्टर से संबंधित अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को रिप्स के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज की स्वीकृति प्रदान की।

शर्मा ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि रिप्स परिलाभ और कस्टमाइज्ड पैकेज प्राप्त करने वाली कंपनियों के निवेश की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व वृद्धि के साथ प्रदेश में रोजगार सृजन हमारी प्राथमिकता है।

शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू की जिलेवार प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) को और अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश की हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विक्रय हेतु विशेष स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नवीन पर्यटन स्थलों को भी बढ़ावा दिया जाए।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गलरिया, आयुक्त बीआईपी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी जुगल किशोर मीना सहित बीआईपी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उदयपुर के अमरख महादेव मंदिर पहुंचीं रेखा गुप्ता, दिल्लीवासियों के लिए मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर राजस्थान में उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन अमरख महादेव मंदिर में महादेव की पूजा-अर्चना की। उनके साथ उनके मंत्रिमंडल के सदस्य भी मौजूद रहे। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन अमरख महादेव मंदिर में देवाधिदेव महादेव की पूजा-अर्चना का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह धाम शताब्दियों से तप, वैराग्य और शिव चेतना का जीवंत केंद्र रहा है। महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व आत्मा के भीतर शिवत्व के जागरण का अवसर है। शिव ही शून्य हैं, शिव ही अनंत हैं और शिव ही वह आधार हैं जहां से सृजन, संतुलन और परिवर्तन का प्रवाह प्रारंभ होता है। उन्होंने आगे लिखा कि देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद दिल्ली और समस्त देशवासियों पर बना रहे, और हम सभी को सेवा और लोक कल्याण के मार्ग पर अडिग रहने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी आशीष सूद, रविन्द्र इन्द्राज, विधायक अनिल शर्मा और राजस्थान भाजपा के कई नेता मौजूद रहे।

इसके बाद, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नाथद्वारा धाम में श्रीनाथजी के दर्शन किए। यह वही पावन भूमि है, जहां भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धनधारी स्वरूप ने धर्म, करुणा और संरक्षण का सनातन संदेश दिया। शताब्दियों से यह धाम भक्ति और समर्पण की अखंड ज्योति का केंद्र रहा है।उन्होंने लिखा, 'महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर भगवान शिव का स्मरण इस अनुभूति को और दिव्य बना देता है। श्रीकृष्ण का करुणा स्वरूप और महादेव का तप स्वरूप, दोनों मिलकर सनातन की पूर्णता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।' सीएम रेखा गुप्ता ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, 'समस्त दिल्लीवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की अनंत शुभकामनाएं। देवाधिदेव महादेव और माता पार्वती के मंगल विवाह का यह उत्सव हमारे भीतर छिपे शिवत्व को जागृत करने का महापर्व है। आदिदेव ही चराचर जगत के सृजन, शक्ति और परम चेतना का आधार हैं। भोलेनाथ से प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख-शांति और दिल्ली की सतत प्रगति एवं समृद्धि बनाए रखे।'

वहीं दिल्ली सरकार ने एक क्रांतिकारी पहल के अंतर्गत राजधानी की हर जमीन का 'आधार कार्ड' बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए हर जमीन को 14 अंकों की 'विशिष्ट भूखंड पहचान संख्या' प्रदान की जाएगी। यह कदम दिल्ली के भू अभिलेखों को आधुनिक बनाने और आम जनता को जमीनी विवादों से मुक्ति दिलाने के संकल्प का हिस्सा है।

राजस्थान की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 10 प्रतिशत पार ले जाने का लक्ष्य : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नाथद्वारा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हमारा लक्ष्य राजस्थान की स्टेट जीडीपी में पर्यटन के योगदान को 10 प्रतिशत से अधिक तक ले जाना है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ स्पिरिचुअल (आध्यात्मिक) और एक्सपीरियंशियल (अनुभवात्मक) टूरिज्म पर विशेष ध्यान दे रही है। रविवार को श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि भारत सरकार राजस्थान के प्रमुख आस्था केंद्रों को वैश्विक स्तर पर विकसित कर रही है। 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत खाटू श्याम जी, देशनोक की करणी माता, जैसलमेर के तनोट माता मंदिर जैसे पवित्र स्थानों पर बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को न केवल सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है, बल्कि इन क्षेत्रों में 'टेंपल टूरिज्म' के माध्यम से स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित करना है।

कुम्भलगढ़ में आयोजित समीक्षा बैठक का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चित्तौड़गढ़ और कुम्भलगढ़ जैसे 'वर्ल्ड हेरिटेज मोन्यूमेंट्स' को पर्यटकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाया जा रहा है। हम चाहते हैं कि इन ऐतिहासिक किलों में पर्यटक केवल घूमने न आएं, बल्कि वहां एक नया अनुभव प्राप्त करें। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जिला प्रशासन और राज्य पर्यटन विभाग के अधिकारी मिलकर एक साथ काम कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पर्यटन की सफलता केवल संख्या में नहीं, बल्कि पर्यटकों की संतुष्टि में है। हमारा प्रयास पर्यटकों के अनुभव के स्तर को इतना ऊंचा उठाना है कि यहां आने वाला हर व्यक्ति ऐसी सुखद स्मृति लेकर जाए जो उसे पुनः राजस्थान लौटने के लिए प्रेरित करे। राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के बजट में पर्यटन के लिए की गई घोषणाओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन की महत्ता को समझते हुए निरंतर काम कर रही है। केंद्र और राज्य के साझा प्रयासों से राजस्थान जल्द ही वैश्विक पर्यटन के मानचित्र पर एक नए स्वरूप में उभरेगा।

महाशिवरात्रि पर राज्यभर के शिव मंदिरों में गूंजे जयकारे

जयपुर। राजस्थानभर के शिव मंदिरों में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया और मंदिरों में 'ओम नमः शिवाय' और 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंजे। इस अवसर पर शिव मंदिरों में विशेष पूजा की गई। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, सीकर सहित सभी जिलों के शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। राज्य की राजधानी के जयपुर के प्रमुख मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया और भगवान शिव का सुंदर श्रृंगार किया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाशिवरात्रि के पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

महाकाल उज्जैन की तर्ज पर थांवला में मना महाशिवरात्रि महोत्सव, शिव बारात में शामिल हुए भूत-प्रेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक माना जाता है। इस पावन दिन पर शिव भक्त व्रत रखते हैं, और विधि-विधान से भोलेनाथ की आराधना करते हैं। मान्यता है कि महाशिवरात्रि की रात भगवान शिव अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं और सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है। इसी कड़ी में राजस्थान के अजमेर जिले में महाशिवरात्रि का पर्व पूरे धूमधाम के साथ मनाया गया। थांवला का महाशिवरात्रि महोत्सव आस्था, संस्कृति और उत्सव का शानदार उदाहरण बना। इसमें लोग भगवान शिव की भक्ति के साथ-साथ लोक परंपराओं की रंगत में भी डूबे नजर आए। तीर्थराज पुष्कर के समीपवर्ती ग्राम थांवला में थानेश्वर महादेव सेवा समिति की ओर से महाशिवरात्रि महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन को उज्जैन के महाकाल मंदिर की परंपराओं की तर्ज पर किया गया। महोत्सव के दौरान मेहंदी, हल्दी, शिव बारात, महाआरती, शृंगार दर्शन और भजन संध्या जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस आयोजन का सबसे आकर्षक दृश्य भूत-प्रेतों की अनोखी शिव बारात रही, जिसने श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।इस मौके पर थानेश्वर महादेव सेवा समिति के सदस्य पंडित मांगीलाल शर्मा ने बताया कि शिव बारात में पुणे से आए ढोल-ताशे वालों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। करीब 101 ढोलों की गूंज और ताशा-डमरुओं की आवाज ने पूरे गांव के लोगों का मन मोह लिया। मराठी परिधान में सजे युवक और युवतियों ने जब एक साथ ढोल-ताशा बजाए, तो उनकी आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इससे माहौल पूरी तरह उत्सव में बदल गया।

शिव बारात में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं का ऐसा जनसैलाब उमड़ा कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। महोत्सव के तहत कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा। इस कड़ी में भव्य महाआरती और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस सांस्कृतिक संध्या में आध्यात्मिक और संगीत जगत की नामचीन हस्तियां अपनी प्रस्तुतियां देंगी।

महाशिवरात्रि पर काशी समेत प्रदेश के शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु, विशेष व्यवस्थाएं की गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश में बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी समेत प्रदेश के अन्य शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर जलाभिषेक किया और मंगल कामना की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर लोकमंगल की कामना की।

काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर की मंगला आरती के बाद श्रद्धालु कतारों में लगकर दर्शन-पूजन कर रहे हैं। मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि पिछले वर्ष महाशिवरात्रि पर लगभग 12 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, जबकि इस बार 10 से 15 लाख लोगों के आने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि पांच लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले धाम में सुगम दर्शन की व्यवस्था की गई है। मिश्रा ने बताया कि भीड़ प्रबंधन के लिए अवरोधक लगाए गए हैं और छह द्वारों से दर्शन कराए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तीन स्थानों पर चिकित्सीय टीम भी तैनात हैं।

मंदिर प्रशासन ने सुबह कतार में लगे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की। बाबा विश्वनाथ 45 घंटे तक लगातार दर्शन देंगे। मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर मंदिर विश्व का आध्यात्मिक संगम बन रहा है और 62 बड़े मंदिरों से भोग-वस्त्र भेजे गए हैं। देश के 54 प्रमुख ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों और तीर्थस्थलों से आए प्रसाद, वस्त्र और तीर्थजल को अर्पित करने की परंपरा भी शुरू की गई है। बाराबंकी जिले के रामनगर स्थित प्रसिद्ध तीर्थ लोधेश्वर महादेवा मंदिर में भी आस्था का जनसैलाब उमड़ा।

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि रात 12 बजे से अब तक करीब ढाई लाख कांवड़िये और श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी सहित अधिकारियों ने रात में मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुरक्षा, यातायात, पार्किंग व प्रकाश व्यवस्था के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि अभी लगभग तीन लाख और लोगों के दर्शन करने का अनुमान है और देर रात तक श्रद्धालुओं का आना-जाना जारी रह सकता है। मथुरा में, श्री कृष्ण जन्मस्थान की ओर से भेजे गए वस्त्र महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिव को अर्पित किए जाएंगे। जन्मस्थान से शिव बारात भी निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न झांकियां, नृत्य दल और अखाड़े शामिल होंगे।

श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि इस साल की बारात में अखाड़े भी हिस्सा लेंगे।

श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि भागवत भवन में श्री केशव देवेश्वर महादेव मंदिर में शाम सात बजे से अगली सुबह तीन बजे तक महाभिषेक किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण जन्मस्थान ने आठ फरवरी को वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रसाद, पूजा का सामान, भगवान शिव और माता पार्वती के कपड़े, गहने और शृंगार का सामान भेजा।

बांग्लादेश में चुनाव के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा का मुद्दा अहम : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश में चुनाव के बाद हुए राजनीतिक बदलावों के मद्देनजर सीमा पर हो रहे घटनाक्रमों को लेकर चिंता व्यक्त की है। शुभेंदु ने रविवार को इस पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि सीमा पर उभरी एक 'गंभीर राजनीतिक एकजुटता' के मद्देनजर कड़ी सतर्कता और सीमा पर मजबूत बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

भाजपा नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि जमात-ए-इस्लामी ने बांग्लादेश के 2026 के आम चुनाव में सतखिरा से रंगपुर तक के जिलों में 68 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की, जो पश्चिम बंगाल के संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों के सामने स्थित हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'सिलीगुड़ी कॉरिडोर' को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को मुख्य भूमि से जोड़ने वाली एक रणनीतिक जीवन रेखा बताते हुए कहा कि उस क्षेत्र में किसी भी वैचारिक एकजुटता के लिए बढ़ी हुई सतर्कता और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता होगी। भाजपा नेता ने बांग्ला में अपने पोस्ट में आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा आवश्यक भूमि अधिग्रहण में पूर्ण सहयोग देने में बार-बार विफल रही है।

मथुरा में बनेगा देश का पहला राष्ट्रीय गो-संस्कृति संग्रहालय

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर मथुरा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में देश का पहला राष्ट्रीय गो-संस्कृति संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

आगरा के मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने बताया कि इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में ही भूमि चिह्नित कर ली गई है। उन्होंने बताया कि यह संग्रहालय गोवंश के धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टि से गाय और उसके उत्पादों की उपयोगिता को आम जनमानस तक पहुंचाएगा। मंडलायुक्त ने बताया कि परंपरा और विज्ञान के इस अनूठे संगम के माध्यम से गो-संरक्षण, गो-पालन और गो-आधारित जीवनशैली की समग्र समझ विकसित की जाएगी। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, जिलाधिकारी सीपी सिंह, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन, परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल, परिषद के पर्यावरण सलाहकार मुकेश शर्मा तथा विश्वविद्यालय के डॉ. अमित शुक्ला ने शनिवार को प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर परियोजना की रूपरेखा पर चर्चा की।

झारखंड में पति की हत्या के लिए महिला ने 'प्रेमी' देवर के साथ साजिश रची, गिरफ्तार

गोड्डा/भाषा। झारखंड के गोड्डा जिले में अपने देवर के साथ कथित तौर पर अवैध संबंध रखने वाली एक महिला को उसके पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। महिला के अलावा भाड़े के दो हत्यारों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया, जबकि मृतक का भाई फरार बताया जा रहा है। महिला के पति (32) की 27 जनवरी को महागामा थाना क्षेत्र के मांगन पिपरा गांव में कुल्हाड़ी से वार करके हत्या कर दी गई थी।

महागामा के पुलिस अधिकारी चंद्रशेखर आजाद ने कहा, हमने मृतक की पत्नी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। हालांकि मृतक का भाई अभी फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। मृतक की पत्नी सोनी देवी (30) का अपने देवर रोहित मोदी के साथ करीब चार से पांच वर्षों से अवैध प्रेम संबंध था। दोनों शादी करना चाहते थे और इसलिए उन्होंने महिला के पति को रास्ते से हटा दिया। जांच के दौरान यह सामने आया कि पूरी घटना की साजिश महिला और उसके देवर ने मिलकर रची थी। आजाद ने बताया कि रोहित ने अपने गांव के दोस्त मोहम्मद शैन के माध्यम से एक लाख रुपए में महिला के पति की हत्या की सुपारी दी। इसके बाद शैन ने अपने पड़ोसी विजेंद्र पासवान उर्फ बिडो को इस वारदात में शामिल किया और उसे 25,000 रुपए दिए। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और अन्य संबंधित सामान भी बरामद कर लिया गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि साजिश के तहत शैन और विजेंद्र ने कुल्हाड़ी खरीदी और 27 जनवरी को रोहित के निर्देश पर शराब पिलाने के बहाने मृतक को घर से बाहर बुलाया। इसके बाद उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी।

अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने पहचान की रक्षा के लिए भाषा, संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने वैश्वीकरण के बढ़ते प्रभाव के बीच स्थानीय संस्कृति, भाषा और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की आवश्यकता पर देते हुए कहा कि समुदायों को अपनी पहचान की रक्षा की जिम्मेदारी स्वयं लेनी चाहिए।

चांगलांग जिले के मियाओ में शनिवार को 'शापावंग यांग मनौ पोई' महोत्सव को संबोधित करते हुए मीन ने कहा कि यह आयोजन केवल नृत्य और उत्सव तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें वे पवित्र अनुष्ठान शामिल हैं जो लोगों को उनके पूर्वजों से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के महोत्सवों को समाज, विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पर चिंतन करने का मंच बनना चाहिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, आधुनिकता की चुनौतियों का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक शिक्षा और बाहरी प्रभावों को रोका नहीं जा सकता लेकिन समुदायों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपनी मूल पहचान न खोएं।

उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने भाषा को पहचान का सबसे मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा, हमारी संस्कृति को कोई और संरक्षित नहीं करेगा, हमें अपनी संस्कृति खुद ही बचानी होगी।

उपमुख्यमंत्री ने स्कूलों में स्थानीय भाषाओं की शिक्षा को मजबूत करने का आह्वान किया। मीन ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करके प्राचीन पांडुलिपियों, परंपराओं, लोक कथाओं और अभिलेखीय सामग्रियों के दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए दुर्लभ पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों को डिजिटल रूप देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल : ट्रेन के खाली कोच में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के पूरबा बर्धमान जिले में रविवार तड़के कटवा रेलवे स्टेशन पर खड़ी खाली यात्री ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग गई। पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली।

दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार सुबह करीब 4:30 बजे प्लेटफॉर्म नंबर दो पर खड़ी कटवा-अजीमगंज यात्री ट्रेन के एक कोच में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की दो गाड़ियों ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पा लिया। पूर्वी रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए प्रभावित डिब्बे को बाकी डिब्बों से अलग कर दिया, जिससे आग फैलने से रोका जा सका। अधिकारी ने बताया कि हावड़ा मंडल इस घटना की विस्तृत जांच करेगा और एक फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल का दौरा करेगी। उन्होंने कहा कि आग लगने के सही कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने डिब्बे को आग की लपटों में घिरा देखा, जिससे प्लेटफॉर्म पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। कोच बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सीटें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। बाहरी हिस्से पर भी व्यापक नुकसान के निशान दिखे। बाद में हावड़ा मंडल के डीआरएम विशाल कपूर ने कटवा पहुंचकर प्रभावित कोच का निरीक्षण किया। इस बीच, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिये इस घटना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पोस्ट में कहा गया है, नरेन्द्र मोदी के भारत में वंदे भारत ट्रेनों और हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का जोर-शोर से उद्घाटन होता है, जबकि आम लोगों का भारत अब भी बुनियादी सुरक्षा मानकों के लिए संघर्ष कर रहा है।

बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान नौ मार्च को होगा : रीजीजू

तवांग/भाषा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा और उसके बाद मतदान नौ मार्च को होगा। रीजीजू ने कहा कि बजट सत्र का दूसरा चरण नौ मार्च से दो अप्रैल तक निर्धारित है। उन्होंने कहा सत्र ''दिलचस्प'' होगा क्योंकि कई ''अहम'' विधेयक को संसद में चर्चा और पारित होने के लिए पेश किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विपक्षी दल सत्र के पहले चरण की तरह विरोध को जारी रखते हैं तो अंततः यह उनके लिए ठीक नहीं होगा। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''नौ मार्च को लोकसभा में अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। नियम के अनुसार इस पर पहले दिन ही चर्चा होती है। चर्चा के बाद मतदान होगा।'' संसद का बजट सत्र 28 जनवरी को लोकसभा एवं राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश किया। बजट सत्र का अगला चरण नौ मार्च को पुनः शुरू होगा जो दो अप्रैल को समाप्त होगा।

अमेरिका से व्यापार समझौते के नाम पर भारतीय किसानों से विश्वासघात होते देख रहे : राहुल गांधी

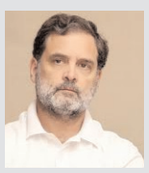

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर हमला तेज करते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई सवाल किए और किसानों के साथ विश्वासघात होने का आरोप लगाया। राहुल ने सरकार पर इस समझौते के जरिये आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह मुद्दा देश के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत किसी दूसरे देश को अपने कृषि क्षेत्र पर दीर्घकालिक नियंत्रण हासिल करने की अनुमति दे रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर लिखा, अमेरिका से व्यापार समझौते के नाम पर हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं।

बहुजन समाज और सपा के बीच संबंध मजबूत हो रहे : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि बहुजन समाज और सपा के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं तथा भविष्य में और भी गहरे होंगे।

वह पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी समेत विभिन्न दलों के 15,000 से अधिक सदस्यों के सपा में शामिल होने के मौके पर बोल रहे थे।

अपने संबोधन में यादव ने इसे ''पीडीए का प्रेम प्रसार समारोह'' बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम लोगों के बीच भाईचारा तथा आपसी सहयोग को मजबूत करेगा।

यादव ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों समुदाय को साधने के लिए 'पीडीए' शब्द गढ़ा था। उन्होंने कहा, ''शांति और प्रगति पीडीए की नींव पर टिकी है। सामाजिक एकता सकारात्मक और प्रगतिशील राजनीति की सबसे बड़ी उपलब्धि है और इसीलिए हमने इसे पीडीए नाम दिया है।'' उन्होंने कहा कि इस वर्ष पारंपरिक होली समारोहों से पहले ''पीडीए होली मिलन'' का आयोजन किया जा रहा है। सपा में शामिल होने वालों में पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के अलावा अपना दल (सोनेलाल) के पूर्व विधायक राजकुमार पाल भी शामिल हैं।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वरिष्ठ नेता और मायावती के करीबी रहे सिद्दीकी 2017 में बसपा से निष्कासित होने से पहले मायावती की सरकार में चार बार मंत्री रह चुके थे। बाद में वह कांग्रेस में शामिल हुए और हाल में उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया।

यादव ने कहा कि यह गठबंधन महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पीडीए की संभावनाएं और मजबूत होंगी। विपक्ष की एकता के पिछले प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर और राम मनोहर लोहिया ने एक बार राजनीति को नई दिशा देने के लिए मिलकर काम करने का प्रयास किया था, लेकिन परिस्थितियों और राजनीतिक माहौल ने उन्हें पर्याप्त समय नहीं दिया। उन्होंने कहा, गठबंधन बने और बाद में टूट गए, लेकिन हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में हम मिलकर उस संघर्ष को और मजबूत करेंगे।

सपा और बसपा ने 1993 में विधानसभा चुनाव के पहले गठबंधन किया था और उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार बनी।

हालांकि, जून 1995 में यह गठबंधन टूट गया और फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से मायावती नीत बसपा सरकार बनी। इसके बाद, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले बसपा और सपा ने उत्तर प्रदेश में फिर गठबंधन किया था, लेकिन चुनाव के बाद यह गठबंधन टूट गया। परोक्ष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए यादव ने शंकराचार्य का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि सपा उनके साथ खड़ी है।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान जिला प्रशासन और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बीच हुए विवाद पर विधानसभा में अपने हालिया संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुप्पी तोड़ी और कहा कि शंकराचार्य की उपाधि का उपयोग हर कोई नहीं कर सकता।

योगी ने इस बात पर बल दिया कि धार्मिक आयोजनों के दौरान धार्मिक मर्यादा और कानून का पालन किया जाना चाहिए।

अखिलेश यादव ने किसी का नाम लिए बिना कहा, पीड़ित लोग पीडीए हैं और हम शंकराचार्य जी के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि परंपराओं पर सवाल उठाने और दूसरों से प्रमाणपत्र मांगने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत ने पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी की शानदार गेंदबाजी से भारत ने रविवार को यहां वर्षा से प्रभावित पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) पद्धति के तहत 21 रन से हरा दिया। अरुंधति (22 रन पर चार विकेट), रेणुका सिंह (14 रन पर दो विकेट) और श्री चरणी (14 रन पर दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने ऑस्ट्रेलिया की टीम 18 ओवर में 133 रन पर ढेर हो गई।

भारत ने इसके जवाब में जब उप कप्तान स्मृति मंधाना (17 गेंद में नाबाद 16) और जेमिमा रोड्रिग्स (तीन गेंद में नाबाद नौ) की पारियों से 5.1 ओवर में 50 रन बनाए थे जब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। भारत को इसके बाद विजेता घोषित किया गया क्योंकि 5.1 ओवर के बाद डीएलएस के तहत बराबरी का स्कोर 29 रन था। भारत ने एकमात्र विकेट शेफाली वर्मा (11 गेंद में 21 रन) के रूप में गंवाया जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की नई कप्तान सोफी मोलिन्यु की गेंद पर अपना विकेट गंवाया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2.2 ओवर में 22 रन बनाकर तेज शुरुआती की लेकिन बेथ मूनी (05) ने रेणुका की गेंद को हवा में लहराकर कवर्स में स्मृति मंधाना को कैच थमा दिया। दूसरी सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (10 गेंद में 18 रन) भी इसके बाद क्रांति गौड़ (39 रन पर एक विकेट) की बाहर की ओर जाती गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटकीपर ऋचा घोष को कैच दे बैठीं।

एलिस पैरी (11 गेंद में 20 रन) और फोएबे लिचफील्ड (19 गेंद में 26 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 41 रन की तेज साझेदारी करके पारी को संभाला। हालांकि जब यह जोड़ी भारत के लिए खतरा बनने लगी तब कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अरुंधति की गेंद पर पीछे दौड़कर गोता लगाते हुए पैरी का शानदार कैच पकड़ा।

दीप्ति शर्मा (19 रन पर एक विकेट) ने एशले गार्डनर (04) को पवेलियन भेजा जबकि अरुंधति ने लिचफील्ड को ऋचा के हाथों कैच कराके 10वें ओवर की शुरुआत में मेजबान ऑस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 80 रन कर दिया।

अफगानिस्तान को शीर्ष टीमों के खिलाफ और अधिक मैच खेलने की जरूरत है : राशिद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। छोटे देशों को बड़ी टीमों के खिलाफ नियमित रूप से खेलने का मौका देने की वकालत करते हुए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने रविवार को यहां कहा कि उनकी टीम को किस्मत का साथ नहीं मिला जिससे वे टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने की कगार पर है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में पांच विकेट से हार झेलने के बाद अफगानिस्तान को पिछले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों दो सुपर ओवर के बाद दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा था। इस नतीजे के बाद टीम ग्रुप डी में चौथे स्थान पर है और बाहर होने के करीब पहुंच गई है।

राशिद ने सोमवार को यहां यूएई के खिलाफ खेले जाने वाले मैच से पहले कहा, ''मुझे नहीं लगता कि बहुत कुछ गलत हुआ। हमने अच्छा क्रिकेट खेला और थोड़े बदकिस्मत रहे। आपने पिछला मैच देखा, हम बहुत करीब थे, दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचे। इससे पता चलता है कि हमने पूरी मेहनत की। उन्होंने कहा, आपने कई मैच एकतरफा देखे होंगे। अगर एक टीम को बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिलता, तो ऐसा ही होता है। अगर हम दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ ज्यादा टी20 खेलते तो हमें बेहतर अंदाजा होता कि वे हमें कहां मात दे सकते हैं और हम कहां सुधार कर सकते हैं। अगर आप साल में सिर्फ एक बार, वह भी विश्व कप

में उनसे खेलते हैं तो गलती की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

राशिद ने कहा कि शीर्ष टीमों के खिलाफ नियमित द्विपक्षीय शृंखला न खेलने से विश्व कप मुकाबले अफगानिस्तान जैसी टीमों के लिए जरूरत से ज्यादा दबाव वाले हो जाते हैं। उन्होंने कहा, अगर आप चार दिन में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैच खेलते हैं तो आपका विश्व कप चार दिन में खत्म हो सकता है, जैसा हमारे साथ हुआ। हमने चार दिन में दो मैच गंवाए और लगभग बाहर हो गए। यह अलग तरह का दबाव है। मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। छोटी सी गलती और आप प्रतियोगिता से बाहर।

इस लेग स्पिनर ने कहा, '' आप अगर उनके खिलाफ नियमित खेलेंगे, तो आपको उनकी रणनीति का अंदाजा होगा। नहीं खेलेंगे, तो वे हर बार नई योजना के साथ आएंगे। जैसे न्यूजीलैंड आक्रामक सोच के साथ आया। जितना ज्यादा हम उनके खिलाफ खेलेंगे, उतना बेहतर होंगे।''

अफगानिस्तान का सामना अब सोमवार को यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) से होगा। राशिद ने कहा कि टीम को प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

उन्होंने कहा, विश्व कप मैच में आप हमेशा पूरी ताकत झोंकते हैं, क्योंकि विश्व कप जीतना बड़ी बात है। राशिद ने कहा, ''हमने यूएई के खिलाफ काफी खेला है, वहां द्विपक्षीय शृंखला भी खेली है। हमारे खिलाड़ी आईएलटी 20 में भी खेले हैं। हम हालांकि यह नहीं सोच सकते कि हम आसानी से जीत जाएंगे क्योंकि हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो सुपर ओवर खेले। टी20 में अगर दो बल्लेबाज या दो गेंदबाज अच्छा स्पेल डाल दें, तो मैच हाथ से निकल जाता है। वापसी का ज्यादा समय नहीं मिलता। इसलिए हमें अपनी सर्वश्रेष्ठ योजना के साथ पूरे प्रयास से मैदान में उतरना होगा।''

सुविचार

बचपन में किसी के पास घड़ी नहीं थी पर टाइम सबके पास था लेकिन आज सबके पास घड़ी है पर टाइम किसी के पास नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धरती की सेहत सुधारें

उपजाऊ मिट्टी खेती का आधार होती है। इस पर देश के लोगों का स्वास्थ्य भी निर्भर करता है। पिछले कुछ दशकों में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग ने धरती की सेहत को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान फसलों का उत्पादन बढ़ा है, लेकिन धरती की सेहत कमजोर हुई है। मिट्टी में घुला हुआ विष फसलों के जरिए इन्सानों में जा रहा है, जिससे लोगों को कम उम्र में ही गंभीर बीमारियां हो रही हैं। ऐसे में, पद्म पुरस्कार प्राप्त किसानों और विशेषज्ञों की हालिया सलाह हमें नई राह दिखाती है। गांव स्तर पर कंपोस्ट इकाइयां बनाने से धरती की सेहत में सुधार आएगा। साथ ही, इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। अपनी सेहत की फिक्र तो सभी करते हैं। क्या हम धरती की सेहत की फिक्र करेंगे? मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट आना एक गंभीर समस्या है। देश में कई खेत ऐसे हैं, जिनमें पहले खूब फसलें लहलहाती थीं, लेकिन धीरे-धीरे वे बंजर हो गए। वहां किसानों ने यह सोचकर ज्यादा रासायनिक उर्वरकों का छिड़काव किया था कि इससे ज्यादा उत्पादन होगा। शुरुआत में हुआ भी, बाद में वह घटने लगा। ज्यादा रासायनिक उर्वरकों और ज्यादा कीटनाशकों का छिड़काव मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देता है। कई किसान इस समस्या से जूझ रहे हैं। जब उनके खेतों में फसलों का उत्पादन कम होने लगता है तो वे मिट्टी की जांच नहीं कराते, बल्कि रासायनिक उर्वरकों की मात्रा बढ़ा देते हैं। इससे फायदा होने की जगह नुकसान होता है। वास्तव में इस समस्या का समाधान गांवों में ही मौजूद है। अगर हर गांव में कंपोस्ट इकाइयां लगाकर फसल अवशेष, पशु अपशिष्ट और जैविक कचरे को खाद में बदला जाए तो मिट्टी की उर्वरता में सुधार आ सकता है। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी।

आज सोशल मीडिया पर कई किसान और विशेषज्ञ न केवल यह मुद्दा उठा रहे हैं, बल्कि समाधान भी बता रहे हैं। एक किसान अपने खेत में बैठकर फसल की गुणवत्ता के बारे में विचार कर रहे थे। उन्होंने देखा कि खेत के एक हिस्से में फसल ज्यादा अच्छी थी। वहां पौधों का रंग गहरा हरा था। उनकी ज्यादा वृद्धि हुई थी। हालांकि उन्होंने खेत के सभी हिस्सों में खाद और पानी की मात्रा समान रखी थी। उन्होंने देखा कि उस दमदार फसल के ऊपर बिजली के तार थे। वहां अक्सर बड़ी संख्या में पक्षी बैठते थे। पक्षियों के अपशिष्ट से मिट्टी को विशेष उर्वरता मिली, जिसका असर फसल में दिखाई दिया। इस अनुभव से प्रेरणा लेकर कई लोगों ने अपने बगीचे में प्रयोग किए। वहां भी नतीजे चौंकाने वाले मिले। भारत में करोड़ों पक्षी हैं। क्या उक्त प्रयोग के आधार पर बड़े स्तर पर ऐसे इंतजाम किए जा सकते हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता में कमी आए? कुदरत में हर जीव का अपनी जगह महत्त्व है। अगर धरती को बचाना है तो पक्षियों का भी संरक्षण करना होगा। हाल में बिहार के सारण जिले के किसानों द्वारा की गई एक पहल बहुत चर्चा में रही। रासायनिक उर्वरकों की बढ़ती कीमत और मिट्टी की घटती गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए किसानों ने पुरानी कृषि परंपरा का सहारा लिया। उन्होंने भेड़पालकों को न्योता दिया, जिसके बाद वे अपनी भेड़ें लेकर आ गए। उनके लिए रात्रि भोजन की व्यवस्था संबंधित किसान द्वारा की जाती है। इस परंपरा के तहत भेड़ें रातभर उस किसान के खेत में बैठती हैं। उनके अपशिष्ट से खेत को प्राकृतिक खाद मिलती है। उसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे तत्त्व भरपूर मात्रा में होते हैं। किसानों का अनुभव है कि जिस जगह भेड़ें बैठती हैं, वहां अगली फसल बहुत अच्छी होती है। हमें ऐसी परंपराओं को फिर से अपनाने की जरूरत है। धरती स्वस्थ रहेगी तो अन्न में शुद्धता होगी। शुद्ध अन्न से ही स्वस्थ तन और स्वस्थ मन का निर्माण संभव है।

ट्वीटर टॉक

आज देवाधिदेव महादेव की आराधना के पावन पर्व महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सिटी पैलेस स्थित श्री राजराजेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर महादेव की आराधना की एवं समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली हेतु प्रार्थना की।

-दिया कुमारी

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित 'बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट' की छठी बैठक की अध्यक्षता करते हुए 46,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों वाली 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज की मंजूरी दी। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में हमारा एक और बड़ा कदम है।

-भजनलाल शर्मा

आज नाथद्वारा धाम में श्रीनाथजी के दर्शन का पुनः पुण्य प्राप्त हुआ। यह अतिपावन भूमि आत्मिक शांति और दिव्य ऊर्जा से परिपूर्ण है, यहाँ हर कण में भक्ति का स्पंदन अनुभव होता है। यह धाम सनातन आस्था, करुणा और संरक्षण के शाश्वत संदेश का केंद्र है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सच्ची अनुभूति

एक बार गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर हिमालय की यात्रा पर थे। केदारनाथ के सौंदर्य से अभिभूत होकर वह बार-बार कुछ गाने लगते थे। चलते-चलते जब वे थक गए, तो एक ढाबे जैसी जगह पर रुके। उनके साथ सहायकों की टोली थी। गुरुदेव को खिचड़ी बहुत पसंद है, यह सभी जानते थे। लेकिन इस स्थान पर केवल भुने हुए आलू और हरे नमक ही खाने के लिए मिले। गुरुदेव को यह एक हरे पत्ते में परोसा गया। गुरुदेव इतने चाव से इसका रसास्वादन करने लगे, मानो बचपन से ही उन्हें यही आहार पसंद हो। सहयोगी टोली खामोश रही, क्योंकि इस समय कुछ कहना या टोकना किसी ने भी उचित नहीं समझा। कुछ समय बाद, जब फिर से चलने का क्रम आरंभ हुआ, तो बातों ही बातों में एक ने पूछ लिया, 'गुरुदेव, आपको वह भुना आलू इतना स्वादिष्ट लगा, क्या सच है?' गुरुदेव ने संतोषपूर्ण भाव से जवाब दिया, 'स्वाद और जायके का कोई अलग या विशिष्ट रूप नहीं होता। जब किसी खाद्य पदार्थ की रसानुभूति उस माहौल में सबसे अधिक अच्छी लगे, जिह्वा के साथ मन को तृप्त कर दे, तो वही सर्वोत्तम आहार है।'

सामयिक

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की नई गंगा तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी।

नजरिया

उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास के दावे कितने सही ?

डॉ. शैलेश शुक्ला

मोबाइल : 9312053330

औद्योगिक विकास का सामाजिक आयाम रोजगार सृजन से जुड़ा है। नई औद्योगिक इकाइयों से लाखों रोजगार सृजित होने का दावा किया गया है, किंतु यह देखना आवश्यक है कि ये रोजगार कितने स्थायी, औपचारिक और कौशल-आधारित हैं। कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और श्रम-बल की गुणवत्ता औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए अनिवार्य हैं। क्षेत्रीय संतुलन और पर्यावरणीय स्थिरता भी महत्वपूर्ण पहलू हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश अपेक्षाकृत अधिक औद्योगिकीकृत है, जबकि पूर्वांचल और बुंदेलखंड लंबे समय तक पिछड़े रहे हैं।

उत्तर प्रदेश लंबे समय तक अपनी विशाल जनसंख्या, व्यापक भूगोल और प्रचुर श्रम-बल के बावजूद औद्योगिक निवेश के राष्ट्रीय मानचित्र पर अपेक्षित स्थान प्राप्त नहीं कर सका। बीते लगभग एक दशक में राज्य की आर्थिक संरचना में जो परिवर्तन दिखाई दिया है, उसका आकलन भावनात्मक या राजनीतिक विमर्श से अलग, ठोस तथ्यों और आधिकारिक आँकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए। राज्य सरकार के आर्थिक सर्वेक्षणों और सार्वजनिक आर्थिक स्रोतों के अनुसार उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2024-25 के आसपास 30 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर चुका है, जिससे यह देश की प्रमुख उप-राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित हुआ है। विनिर्माण और निर्माण गतिविधियों के विस्तार ने राज्य की सकल मूल्य वर्धन संरचना को कृषि-प्रधान स्वरूप से धीरे-धीरे बहु-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया है। यह परिवर्तन मात्र आँकड़ों का नहीं, बल्कि आर्थिक प्रवृत्तियों के बदलाव का संकेतक है।

औद्योगिक विकास की वास्तविक कसौटी केवल निवेश प्रस्तावों में नहीं, बल्कि वास्तविक पूंजी निवेश और उत्पादन क्षमता के सृजन में निहित होती है।वैश्विक निवेश सम्मेलनों के दौरान लाखों करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुए हैं। वर्ष 2023 के निवेश सम्मेलन में प्राप्त प्रस्तावों के बड़े हिस्से के क्रियान्वयन की प्रक्रिया में होने का दावा किया गया है। यद्यपि समझौता ज्ञापनों और वास्तविक निवेश के बीच अंतर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, फिर भी औद्योगिक भूमि आवंटन, परियोजना स्वीकृति और निर्माण कार्य की गति में पूर्व की तुलना में स्पष्ट तेजी देखी गई है।

निर्यात के संदर्भ में भी राज्य की स्थिति में सुधार दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश पारंपरिक रूप से हस्तशिल्प, चमड़ा, कालीन, खेल सामग्री और कृषि-आधारित उत्पादों का निर्यातक रहा है। हाल के वर्षों में राज्य का निर्यात मूल्य लगभग 1.5 से 2 लाख करोड़ रुपये के बीच रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। यह निर्यात विविधीकरण की दिशा में एक संरचनात्मक पहल है, यद्यपि गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक रूप से सुदृढ़ राज्यों से प्रतिस्पर्धा अब भी चुनौती बनी हुई है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के क्षेत्र में भी प्रगति के संकेत मिलते हैं। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश को प्राप्त एफडीआई में वृद्धि हुई है, हालांकि राष्ट्रीय हिस्सेदारी अभी भी सीमित है। डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेशकों की रुचि बढ़ी है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्लस्टर के रूप में उभरे हैं, जहाँ मोबाइल फोन निर्माण इकाइयों ने राज्य को राष्ट्रीय उत्पादन श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। अवसंरचना विस्तार औद्योगिक प्रगति का एक प्रमुख आधार है। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने राज्य के विभिन्न हिस्सों को जोड़ा है। बेहतर सड़क संपर्क से लॉजिस्टिक लागत में कमी आती है, जो उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को सीधे प्रभावित करती है। समर्पित मालवाहक गलियारे के माध्यम से औद्योगिक परिवहन की दक्षता बढ़ी है। औद्योगिक पार्कों और भूमि बैंक की उपलब्धता ने निवेशकों को प्रारंभिक लागत और समय-व्यय के संदर्भ में राहत प्रदान की है।

रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर राज्य की औद्योगिक नीति में एक रणनीतिक हस्तक्षेप के रूप में उभरा है। झांसी, कानपुर, लखनऊ, अलीगढ़ और आगरा जैसे नोड विकसित किए जा रहे हैं। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप यह पहल उच्च-तकनीकी विनिर्माण और रोजगार सृजन की संभावना रखती है। हालांकि रक्षा क्षेत्र की परियोजनाएँ पूंजी-गहन और दीर्घकालिक होती हैं, इसलिए इनके वास्तविक आर्थिक प्रभाव का आकलन भविष्य में ही संभव होगा। प्रशासनिक सुधारों ने औद्योगिक वातावरण को कुछ हद तक अनुकूल बनाया है। एकल-खिड़की प्रणाली और ऑनलाइन स्वीकृति तंत्र लागू किए गए हैं। निवेश मित्र' जैसे पोर्टल के माध्यम से अनुमोदन प्रक्रिया को डिजिटल किया गया है। प्रक्रियात्मक पारदर्शिता और समयबद्धता निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत हैं। कानून-व्यवस्था औद्योगिक निवेश के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। आधिकारिक अपराध आँकड़ों में कुछ श्रेणियों में कमी और कुछ में चुनौतियाँ बनी रहने का संकेत मिलता है। संगठित अपराध और भूमि माफिया के विरुद्ध कार्रवाई को प्रशासनिक प्राथमिकता बताया गया है। उद्योगों के लिए यह आवश्यक है कि भूमि स्वामित्व विवाद और सुरक्षा जोखिम न्यूनतम हों।

औद्योगिक विकास का सामाजिक आयाम रोजगार सृजन से जुड़ा है। नई औद्योगिक इकाइयों से लाखों रोजगार सृजित होने का दावा किया गया है, किंतु यह देखना आवश्यक है कि ये रोजगार कितने स्थायी, औपचारिक और कौशल-आधारित हैं। कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और श्रम-बल की गुणवत्ता औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए अनिवार्य हैं। क्षेत्रीय संतुलन और पर्यावरणीय स्थिरता भी महत्वपूर्ण पहलू हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश अपेक्षाकृत अधिक औद्योगिकीकृत है, जबकि पूर्वांचल और बुंदेलखंड लंबे समय तक पिछड़े रहे हैं। औद्योगिक नोड और अवसंरचना परियोजनाओं के माध्यम से संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। साथ ही, औद्योगिक विस्तार के साथ प्रदूषण नियंत्रण, जल प्रबंधन और हरित ऊर्जा का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। समग्रतः उत्तर प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य परिवर्तनशील है। सकारात्मक उपलब्धियों के साथ-साथ यदि निवेश क्रियान्वयन, कौशल उन्नयन, तकनीकी नवाचार और निर्यात विस्तार पर निरंतर ध्यान दिया जाए, तो राज्य आने वाले वर्षों में देश की औद्योगिक संरचना में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुनवाई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ में हुए 'जनता दर्शन' के दौरान अलग-अलग ज़िलों के लोगों की समस्याएं सुनते हुए।

भारत के साथ नए सिरे से संबंध स्थापित करना चाहता है बांग्लादेश : कबीर

ढाका/भाषा। बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग के सत्ता से हटने के बाद भारत के साथ संबंधों को नए सिरे से स्थापित करने की इच्छा जताई है।

बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि दोनों देशों को पारस्परिक लाभ के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को हुए ऐतिहासिक संसदीय चुनाव के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए गए, जिसमें रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की।

कबीर ने शनिवार को 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में जोर देकर कहा कि बांग्लादेश में बीएनपी को मिले प्रचंड जनादेश के बाद बदली हुई राजनीतिक वास्तविकता को स्वीकार करना अब भारत की जिम्मेदारी है।

कबीर ने कहा, बदलाव भारत की सोच में आना चाहिए। शेख हसीना और अवामी लीग आज के बांग्लादेश में मौजूद नहीं हैं। जनता ने स्पष्ट रूप से बीएनपी के पक्ष में फैसला दिया है।

कबीर ने अगस्त 2024 के जनविद्रोह के बाद भारत जा चुकीं हसीना को आतंकवादी करार देते हुए उन पर 1,500 से अधिक लोगों की मौत का जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। उन्होंने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह बांग्लादेश की स्थिरता को प्रभावित करने के लिए हसीना या अवामी लीग के अन्य नेताओं को अपनी जमीन इस्तेमाल करने की अनुमति न दे। उन्होंने कहा, भारत बांग्लादेश की संप्रभुता को कमजोर करने वाली किसी भी गतिविधि में सहभागी के रूप में न दिखे। एक बार यह मुद्दा सुलझ जाए, तो सामान्य राजनयिक सहयोग फिर से शुरू हो सकता है। हम पड़ोसी हैं और हमें पारस्परिक लाभ के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

भारत ने 26 नवंबर 2025 को कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण के बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के अनुरोध पर गौर कर रहा है और बांग्लादेश की जनता के सर्वोत्तम हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, हम शांति, लोकतंत्र, समावेशन और स्थिरता समेत बांग्लादेश की जनता के सर्वोत्तम हितों के प्रति प्रतिबद्ध हैं और इस संबंध में सभी पक्षों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।

कबीर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रहमान के बीच फोन पर हुई सौहार्दपूर्ण बातचीत का भी उल्लेख किया, जिसमें मोदी ने रहमान को सुविधाजनक समय पर भारत आने का निमंत्रण दिया।

ब्रिटेन ने रासायनिक हथियारों का उपयोग करने के लिए रूस की निंदा की

लंदन/भाषा। ब्रिटेन सरकार ने घातक मेंढक विष जैसे 'घृणित साधनों' का इस्तेमाल करने के लिए रूस की निंदा की है जिसका उपयोग कथित तौर पर प्रमुख रूसी कार्यकर्ता एलेक्सी नवलनी के खिलाफ किया गया था। नवलनी की दो साल पहले साइबेरियाई जेल में मौत हो गई थी।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विरोधी नवलनी की फरवरी 2024 में साइबेरिया में स्थित एक रूसी दंड कॉलोनी में कैद के दौरान मृत्यु हो गई।

ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि यूरोपीय सहयोगियों के साथ लगातार और सहयोगात्मक प्रयोगशाला जांच में इसकी पुष्टि हुई है कि इक्वाडोर डार्ट मेंढकों की त्वचा में पाया जाने वाला घातक विष 'एपिबैटिडाइन' नवलनी के शरीर से लिए गए नमूनों में पाया गया था और इसकी बहुत आशंका है कि इसी के कारण उनकी मृत्यु हुई।

ब्रिटेन ने कहा कि उसने रूस के रसायनिक हथियार संधि का स्पष्ट उल्लंघन के बारे में रसायनिक हथियार प्रतिबंध संगठन को सूचित किया है। जर्मनी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से जारी एक बयान में कूपर ने कहा, जब से यूलिया नावलनया ने दो साल पहले म्यूनिख में अपने पति के निधन की जानकारी दी थी, ब्रिटेन ने एलेक्सी नवलनी की मौत के सच को खोजने में दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास किया है। उन्होंने कहा, केवल रूसी सरकार के पास एलेक्सी नवलनी के रूस में कैद रहने के दौरान इस घातक विष का इस्तेमाल करने की क्षमता, उद्देश्य और अवसर था।

भूमि पेडनेकर ने 'द लेडी किलर' को लेकर तोड़ी चुप्पी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी फिल्म 'द लेडी किलर' की असफलता और उससे जुड़े विवादों पर पहली बार खुलकर बात की है। अर्जुन कपूर के साथ बनी यह क्राइम-थ्रिलर भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में गिनी जाती है। भूमि ने एक इंटरव्यू में बताया कि दर्शकों ने जो फिल्म देखी, वह अधूरी थी। उनके अनुसार, फिल्म का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा कभी शूट ही नहीं हुआ, जबकि कलाकारों ने जो स्क्रिप्ट पढ़ी थी, वह पूरी थी।

भूमि ने कहा कि सेट पर हालात ऐसे बने कि फिल्म अधूरी ही छोड़ दी गई और जो संस्करण सिनेमाघरों में रिलीज हुआ, वह मूल कहानी से काफी अलग था। उन्होंने बताया, मैं सदमे में थी।

समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है। काश, मुझे

बेहतर जानकारी होती, शायद मैं चीजों को अलग तरह से संभाल पाती। जो फिल्म रिलीज हुई, वह उस प्रोजेक्ट से कोसों दूर थी जिसे हमने साइन किया था। इस असफलता ने उन्हें मानसिक और पेशेवर रूप से झकझोर दिया और एक समय उन्हें लगा कि उनका करियर खत्म हो चुका है।

फिल्म का निर्देशन विकास बहल ने किया था। 3 नवंबर 2023 को रिलीज हुई इस फिल्म का बजट लगभग 45 करोड़ रुपये बताया गया, जबकि बॉक्स ऑफिस पर यह महज 1 लाख रुपये ही कमा सकी। इतना ही नहीं, फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी खरीदार नहीं मिला और अंततः इसे मुफ्त में यूट्यूब पर रिलीज करना पड़ा। भूमि आज भी मानती हैं कि यह अनुभव उनके लिए एक कठिन सीख साबित हुआ, जिसने उन्हें सिस्टम और फिल्म निर्माण की जटिलताओं को समझने का मौका दिया।

आध्यात्मिक यात्रा पर निकले कीकू शारदा, अयोध्या को बताया सुकून और शांति देने वाला स्थल

मुंबई/एजेन्सी

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में लंबे समय से काम कर रहे कमीडियन कीकू शारदा दर्शकों को हंसाने का काम करते आए हैं। मंच पर अपनी हाजिरजवाबी, चुलबुले अंदाज और हल्के-फुल्के मजाक से दर्शकों को ठहाके लगाने पर मजबूर करने वाले कीकू, निजी जीवन में बिल्कुल अलग व्यक्तित्व रखते हैं। जहां स्क्रीन पर उनका रूप चंचल और मस्ती भरा दिखाई देता है, वहीं वास्तविक जीवन में वे अध्यात्म की ओर गहरी आस्था रखते हैं। उनका कहना है कि मंदिरों में उन्हें जिस प्रकार की मानसिक शांति और आत्मिक सुकून का अनुभव होता है, वैसा अहसास उन्हें कहीं और नहीं मिलता। अब महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर उन्होंने अयोध्या भ्रमण की मंत्रमुग्ध कर देने वाली यात्रा शेयर की है। कीकू शारदा को अयोध्या के धार्मिक स्थलों का भ्रमण करते हुए देखा गया, जहां राम मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर की ऊर्जा ने उन्हें सुकून और शांति दोनों दी। अपने इंस्टाग्राम पर कीकू ने यात्रा से जुड़ी फोटो और अनुभव दोनों शेयर किए हैं और अपनी

धार्मिक यात्रा के दौरान महसूस हुई आंतरिक शांति को शब्दों में पिरोने की कोशिश की है।

अपनी पत्नी के साथ फोटो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, अयोध्या के राम मंदिर की हमारी यात्रा आस्था, भावनाओं और गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव का अनुभव थी। राम मंदिर की भव्यता ने हमें मंत्रमुग्ध कर दिया। इसकी जटिल नक्काशी और दिव्य आभा सदियों की भक्ति और आस्था को प्रतिबिंबित कर रही थी। राम लल्ला के सामने खड़े होकर हमारे भीतर एक गहरी शांति का अनुभव हुआ, कृतज्ञता, आशा और समर्पण की मौन प्रार्थना।

उन्होंने आगे लिखा, वहां से हम हनुमानगढ़ी की पवित्र सीढ़ियों पर चढ़े। ऊर्जा, शक्ति और सुरक्षा का भरपूर अनुभव हुआ। भगवान हनुमान का मंदिर शक्तिशाली होते हुए भी सुकून देने वाला था, मानो हमें याद दिला रहा हो कि आस्था कोमल और साहसी दोनों होती है। ऊपर से अयोध्या का मनोरम दृश्य उस क्षण की शांति को और बढ़ा रहा था। कीकू शारदा आज भी कपिल शर्मा शो का हिस्सा हैं और सुनील ग्रोवर व कृष्णा अभिषेक के साथ अलग-अलग किरदार में कॉमेडी करते दिखते हैं। अपकमिंग एपिसोड में कीकू अम्मा जी बने हैं और सुनील ग्रोवर उनकी बहू। 'ओ रोमियो' का प्रमोशन करने आए शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी कीकू और सुनील दोनों की कॉमेडी से लोटपोट होने वाले हैं।

शोभा यात्रा

वाराणसी में महा शिवरात्रि के मौके पर जंगमबाड़ी मठ से निकली धार्मिक शोभा यात्रा में लोग हिस्सा लेते हुए।

रोहित शेट्टी-रणवीर सिंह के मैनेजर का बयान दर्ज, पुलिस ने महत्वपूर्ण सीन को किया रीक्रिएट

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई पुलिस ने रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग और रणवीर सिंह को मिली धमकी के मामले में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पुलिस ने रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह के मैनेजर का बयान दर्ज कर लिया है। साथ ही रोहित शेट्टी केस से जुड़े महत्वपूर्ण सीन को भी रीक्रिएट किया गया है।

रणवीर सिंह को एक अनजान नंबर से वॉइस नोट मिला, जिसमें धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और पैसे की मांग की। घटना को लेकर रणवीर ने तुरंत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सूचना दी थी। वहीं, मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम रणवीर सिंह के पास पहुंची और उनके मैनेजर का बयान लिया। पुलिस ने जांच में यह भी पूछा कि क्या रणवीर को पहले कोई धमकी मिली थी या कोई पुरानी घटना हुई थी। धमकी वॉइस नोट में रणवीर के स्टाफ को निशाना बनाने की बात कही गई। पुलिस ने वॉइस की जांच शुरू कर दी है और सोर्स ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे से मुंबई तक स्कूटी लाने के सीन को रीक्रिएट किया। इस दौरान चार आरोपी स्वप्निल सकट, आदित्य गायकी, सिद्धार्थ येनपुरे और समर्थ पोमाजी को साथ रखा गया। पुलिस ने स्कूटी खरीदने से लेकर पुणे से सड़क मार्ग से मुंबई लाने, रुकने की जगहों और विले पार्ले स्टेशन के बाहर पार्क करने तक के हर सीन को दोहराया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि स्कूटी मुंबई पहुंचने के बाद मुख्य आरोपी शुभम लोंकर ने उन्हें 11 हजार रुपए और दिए। पहले पुलिस ने 40 हजार रुपए की बात कही थी, लेकिन जांच में कुल 51 हजार रुपए (30 हजार स्कूटी के लिए, 21 हजार खर्च) सामने आए। इस रीक्रिएशन की पूरी वीडियोग्राफी की गई, जो कोर्ट में पेश की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, छठवें आरोपी प्रवीण लोनकर की जेल से 2-3 दिनों में हिरासत ली जाएगी। मुख्य शूटर और उसका साथी अभी फरार हैं, उनकी तलाश जारी है। पुलिस ने मामले में आरोपियों पर मकोका एक्ट लगाया है और जांच तेज कर दी है।

फरवरी के तीसरे हफ्ते ओटीटी पर दस्तक देंगी 'द नाइट एजेंट'

मुंबई/एजेन्सी

सिनेमाघरों से ज्यादा ओटीटी पर मनोरंजन खोजने वाले दर्शकों के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फरवरी सस्पेंस और थ्रिलर से भरा महीना रहा है। महीने के तीसरे हफ्ते (19-20 फरवरी) ऐसी फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी। हम आपके लिए हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों की शानदार फिल्मों और सीरीज की जानकारी लेकर आए हैं। दो सीजन की शानदार सक्सेस के बाद ओटीटी पर 'द नाइट एजेंट' तीसरे सीजन के साथ लौट रही है।

सीरीज एक्शन और थ्रिलर से भरी है, जिसे दर्शक 19 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे। सीरीज की कहानी को सीजन-2 से कनेक्ट करते हुए नाइट एजेंट पीटर सदरलैंड एक बार फिर विस्फोटक एक्शन के साथ नए मिशन पर लौटते दिखेंगे। एप्पल टीवी प्लस पर रिलीज होने वाली 'द लास्ट थिंग ही टोल्ड मी सीजन 2' दर्शकों की फेवरेट सीरीज रही है। इसके पहले पार्ट को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और अब सीजन में हन्ना और उसकी सौतेली बेटी की कहानी से स्टोरी को आगे बढ़ाया जाएगा। सीरीज 20 फरवरी को रिलीज होगी।

सीरीज में पहले सीजन में काम कर चुके जेनिफर गार्नर, एंगौरी राइस, निकोलज कोस्टर-वाल्डो और डेविड मोर्स दोबारा देखने को मिलेंगे और साथ ही कुछ नए कलाकारों की एंट्री होगी। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' ओटीटी पर 19 फरवरी को रिलीज होगी। इससे पहले फिल्म को 5 फरवरी को अमेजन प्राइम पर रेंट पर रिलीज किया गया था, जिसमें 349 का भुगतान करने के बाद भी देखा जा सकता था, लेकिन 19 फरवरी से फिल्म को सब्सक्राइबर्स आसानी से देख पाएंगे। फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

19 फरवरी से नेटफ्लिक्स 'द स्वीडिश कनेक्शन' भी रिलीज होगी, जोकि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्वीडिश विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी गोस्टा एंगज़ेल की सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें नौकरशाही में काम करने वाला एक शख्स हजारों यहूदियों को बचाने का काम करता है। महीने के आखिर में आती है '56 डेज़'। 8-एपिसोड की साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। सीरीज को अमेज़न प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। सीरीज कैथरीन रयान हॉवर्ड के उपन्यास पर बेस्ड है जिसमें एक ऐसे कपल की कहानी दिखाई गई है, जो कोविड के दौरान लॉकडाउन में साथ रहते हैं और दोनों के बीच प्यार पनपता है, लेकिन मोहब्बत की कहानी मर्डर की कहानी में तब्दील हो जाती है।

श्रीलीला ने अभिनय के साथ पूरा किया एमबीबीएस का सपना

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री श्रीलीला ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने अभिनेत्री साई पल्लवी की तरह अभिनय के साथ-साथ एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली। अभिनेत्री कई सालों से मेडिकल की पढ़ाई के साथ फिल्मों में काम कर रही थीं। श्रीलीला ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर ग्रेजुएशन समारोह की तस्वीरें पोस्ट कीं। अभिनेत्री ने मैरून गाउन पहना हुआ है। कुछ तस्वीरों में वे ग्रेजुएशन डिग्री ले रही हैं, तो परिवार और बैचमेट्स के साथ पोज दे रही हैं। श्रीलीला ने लिखा, एक बड़ा मुकाम। यह यात्रा आप सबका साथ थी, चाहे जानकर या फिर अनजाने में। यह जगह मेरी शांति बन गई, जहां मैं खुद रह सका। आपकी लड़की ने वाद निभाया। यह सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि आगे बढ़ने, विश्वास करने, आंसू बहाने, हिम्मत दिखाने और खुद को मजबूत बनाने की कहानी है।

अभिनेत्री ने आगे अपने परिवार, दोस्तों और टीम को धन्यवाद दिया, जिन्होंने परीक्षाओं के समय श्रीलीला का साथ दिया। उन्होंने लिखा, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। उन सभी का दिल से शुक्रिया। क्लासमेट्स और फैंस का भी शुक्रिया, जिनकी मुस्कान और प्रोत्साहन ने मुझे आगे बढ़ाया। इस अध्याय ने मुझे विनम्र और मजबूत बनाया है। अब खुद को फिर से पेश करती हूं। आपकी स्नेहपूर्वक, डॉ. श्रीलीला।

बता दें कि अभिनेत्री की ग्रेजुएशन सेरेमनी 10 फरवरी को हुई थी, जिसके बाद से ही सेरेमनी की कुछ

तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे थे। शुक्रवार को अभिनेत्री ने पोस्ट कर आधिकारिक जानकारी दी।

पोस्ट शेयर करने के बाद श्रीलीला के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेत्री राशि खन्ना, ध्वनी भानुशाली और रेमो डिसूजा ने लिखा, बधाई हो डॉक्टर। श्रीलीला कई सालों से फिल्मों में काम कर रही हैं और साथ ही मेडिकल की पढ़ाई भी जारी रखी थी। पिछले छह सालों में उन्होंने शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल के बीच पढ़ाई का संतुलन बनाए रखा। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और मुंबई की डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी से उन्होंने एमबीबीएस की डिग्री हासिल की।

हर दिन को जीना चाहिए, कैंसर सर्वाइवर हिना खान ने बताया जिंदगी के प्रति अपना नजरिया

मुंबई/एजेन्सी

कैंसर सर्वाइवर टीवी एक्ट्रेस हिना खान हाल ही में सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल द्वारा आयोजित ऑन्कोलॉजी लीडरशिप टाउनहॉल 'इलुमिनेट 3.0 में पहुंची। अभिनेत्री ने कैंसर के बारे में लोगों को जागरूक किया और बताया कि कैंसर होने का मतलब सीधा मौत नहीं है; अगर समय पर स्क्रीनिंग और जांच हो जाए तो इस बीमारी से भी लड़ा जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि पूरी जर्नी के दौरान और आज भी उनके पति रॉकी और उनके पूरे परिवार ने कैसे उनका साथ दिया है। इवेंट में पहुंची हिना खान ने मंच से कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में आने का अवसर मिला है। डॉक्टरों के सहयोग से ही मैं आज यहां खड़ी हूं, और मेरे परिवार के प्यार और मेरे पति रॉकी की हिम्मत की वजह से ही मैं आज ठीक हूं। शादी के बाद भी हमारे रिश्ते में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया, वे आज भी पहले की तरह ही देखभाल करते हैं।

अपनी कैंसर जर्नी पर बात करते हुए हिना ने कहा, मैं काफी समय से इस जर्नी से गुजर रही हूं और आज भी रिकवर करने की कोशिश कर रही हूं। लोग मुझसे सवाल करते हैं कि आपने क्या किया, लेकिन ये जरूरी नहीं कि जो मैंने किया, वो हर किसी पर कारगर साबित हो क्योंकि सबकी बॉडी अलग होती है। मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि लोगों को आज में जीना चाहिए। किसी भी हालत में खुश रहना चाहिए क्योंकि नहीं पता कब क्या हो जाए। जो लोग हेल्दी हैं, वो भी अचानक से बड़ी बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं, तो हर पल को खुलकर जीना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, मैं वो हर चीज कर रही हूं जो मुझे करनी है। मैंने डॉक्टर से कहा कि मुझे आइसलैंड जाना है और बर्फ के पानी में बाथ लेना है और दुनिया की अलग-अलग जगहों पर ट्रैवल करना है। आज मेरा जो मन करता है, वो मैं खाती हूं; जहां जाना है, वहां जाती हूं। मैंने कभी खुद को मरीज की तरह फील नहीं किया, और न ही मेरे डॉक्टर ने करवाया।

यशवंतपुर में 'एक शाम पार्श्व भैरव भक्ति के नाम' कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांठा प्रांत यशवंतपुर मंडल द्वारा शनिवार को मेवाड़ भवन में आयोजित 'एक शाम श्री पार्श्व भैरव भक्ति के नाम' का आयोजन किया गया। गायक सुनील बाफना एवं उनकी टीम ने अनेक मनोहारी भजनों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। इस मौके पर सिद्धार्थ बोहरा, अरविंद टपरावत, प्रकाश गुगलिया, प्रकाश कटारिया ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम के अतिथि के रूप में उत्तम कोठारी, मनसुख गांधी, मोहन कटारिया आदि उपस्थित थे।

कांठा प्रांत यशवंतपुर मंडल के अध्यक्ष अशोक कटारिया ने सबका स्वागत किया तथा मंत्री अभिषेक डुंगरवाल ने संचालन किया।

जेवाईएस ने साधु साध्वियों को महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में किया आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन युवा संगठन (जेवाईएस) के प्रतिनिधिमंडल ने संभवनाथ मंदिर वीवी पुरम में विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरीजी एवं साध्वीश्री मयूरयशाश्रीजी, विमलनाथ जैन मंदिर बसवनगुड़ी में विराजित पन्यासश्री परमयशविजयजी के दर्शन कर सभी साधु साध्वियों को 31 मार्च को फ्रीडम पार्क में आयोजित महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में निश्रा प्रदान करने का निवेदन किया।

सभी साधु साध्वियों ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया। उन्होंने उन्होंने युवाओं को समाज से जोड़ने, वर्तमान सामाजिक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने, साधार्मिक भक्ति से लेकर स्वावलंबी साधर्मिक निर्माण के विविध आयामों पर मार्गदर्शन दिया तथा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सम्पूर्ण जैन समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री सुश्रुत चेलावत, निवर्तमान अध्यक्ष महावीर मुणोत, साधु-साध्वी सेवा समिति के चेयरमैन कमलेश कोठारिया, सहचेयरमैन अर्चित पारेख, विशाल पोखरना, सदस्य नीतेश ओस्तवाल, दिलीप पारलेचा आदि उपस्थित थे।

कुलदीप छाजेड़ बने ब्यावर संघ युवा शाखा के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ब्यावर संघ युवा शाखा की वार्षिक साधारण सभा में कुलदीप छाजेड़ को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत किया और नए अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए पदाधिकारियों को अच्छा श्रोता बनना चाहिए, धैर्यपूर्वक दूसरों की समस्याएं और बातें सुनकर उनका समाधान निकालना चाहिए, किसी भी बात की प्रतिक्रिया उस बात को समझकर ही देनी चाहिए, जल्दबाजी में हमें कुछ भी ग़लत फैसला नहीं लेना चाहिए और सभी को साथ में लेकर सभी के सहयोग से संघ की गतिविधियों को आगे बढ़ाना चाहिए।निवर्तमान महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने पिछले कार्यकाल की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की। कोषाध्यक्ष नमित कोठारी और सहकोषाध्यक्ष भरत कोठारी ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष विकास खटोड़ ने सभी को आगामी कार्यकाल में सहयोग प्रदान करने की बात कही। चेयरमैन महेन्द्र भन्साली ने शुभकामनाएं दी। नवीन कार्यकारिणी की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। सहमंत्री नरेश बोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

'बंधन मजबूत, स्वास्थ्य अटूट दम्पत्ति योग' का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन द्वारा रविवार को समणी सेंटर में 'बंधन मजबूत, स्वास्थ्य अटूट -दम्पत्ति योग' का आयोजन किया गया। सुनीता मुथा एवं इंदिरा रांका ने दम्पत्तियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम के अभ्यास कराए। इस निशुल्क कार्यक्रम में दम्पतियों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए तथा विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। संस्था की अध्यक्ष अमिता नाहर, सचिव नीलम गुगलिया एवं कोषाध्यक्ष रंजीता मरलेचा ने व्यवस्था संभाली। अंत में जैन समणी डॉ. सुयशनिधि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
महाशिवरात्रि महोत्सव

बेंगलूरु के हंपीनगर स्थित शिव मंदिर में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में महेंद्र मुणोत ने भगवान शिव का दुग्धाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि शिव ही सत्य, प्रेम, प्रकाश है। शिव का भाव ही कल्याण है। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

ग्रीन संडे के तहत लगाए गए 50 पौधे, पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेजस्विनी अनंतकुमार के 'अदम्य चेतना' फाउंडेशन ने सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन के सहयोग से दिव्या सप्तमी अपार्टमेंट परिसर में 529वां ग्रीन संडे वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। यह कार्यक्रम दिव्य सप्तमी एसोसिएशन के साथ मिलकर किया गया। इस अभियान में अदम्य चेतना और सेवा ब्रिगेड के सदस्यों ने अपार्टमेंट निवासियों, निट्टे मीनाक्षी कॉलेज और क्राइस्ट कॉलेज के विद्यार्थियों सहित 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया। संस्था के सीईओ राम पाठक ने बताया कि सोसाइटी परिसर में लगभग 50 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान अदम्य चेतना की प्रबंध न्यासी तेजस्विनी अनंतकुमार ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कार्बन उत्सर्जन पर चिंता व्यक्त की और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संस्था द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यों की जानकारी भी साझा की। इस मौके पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन के संस्थापन प्रवीण पांडे, दिव्य सप्तमी के अध्यक्ष रवि शंकर तथा अन्य पदाधिकारियों ने वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।

शहर में विधायक रविंद्रसिंह भाटी का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान के शिव विधानसभा के विधायक रविंद्रसिंह भाटी एक दिवसीय प्रवास पर बेंगलूरु पहुंचे। उन्होंने संतश्री रविशंकर के आश्रम में आयोजित विशेष कार्यक्रम में शिरकत की और संत समाज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात विधायक भाटी का इंद्रसिंह चंपावत के आवास पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर नरपतसिंह राठौड़ (बैरठ), शैतानसिंह निंबवास, रोबिनसिंह, वीरेंद्रसिंह, उत्तमसिंह, शैतानसिंह होथीगांव सहित अनेक समाज बंधुओं ने उनका सम्मान किया। अपने संबोधन में विधायक भाटी ने समाज की एकता और विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया तथा सभी का आभार व्यक्त किया।

शांति प्राप्त करने का साधन है संयम : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केआरपुरम स्थित अनिल पुगलिया के निवास पर विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में रविवारीय विशेष प्रवचन हुआ। साध्वीश्री ने 'वी हेप्पी' विषय पर बोलते हुए कहा कि हमारे जीवन के शब्दकोष के सबसे मूल्यवान शब्द है शांति एवं प्रसन्नता। पैसे, रोटी, घर, कपड़े, आलीशान सुविधाओं का मूल्य तभी है जब मन में शांति है। आज व्यक्ति नैतिकता की अंधी दौड़ में भाग रहा है वो सुविधाएं तो बहुत जुटा रहा है पर शांति नहीं है। उसे प्राप्त करने का एक साधन है संयम।

आहार संयम, वाणी संयम, शरीर संयम, मन संयम होगा तो हम प्रसन्नता एवं शांति को प्राप्त कर सकते है। साध्वी मार्दवश्रीजी ने रविवार पर विशेष योग होने से मून मेडिटेशन के साथ विशेष मंत्रों का उच्चारण किया।

ओम की ध्वनि तथा अर्हम के रक्षा कवच के साथ अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। विशिष्ट मंत्रों का एक साथ उच्चारण विघ्न निवारक, मंगलदायक एवं शांतिप्रदायक होता हैं सकारात्मक ऊर्जा का विकास एवं नकारात्मक ऊर्जा का पतन होता हैं ।

चंद्रमा हमारे मन,स्वभाव बुद्धि का कारक होता हैं, इस विशेष अनुष्ठान में वाइटफील्ड सरजापुर, टीसी पाल्या, केआर पुरम आदि आसपास के अनेको क्षेत्रों के श्रावक श्राविका उपस्थित थे।

रसायन फैक्टरी में विस्फोट, दो लोगों की मौत

मंड्या कर्नाटक के मंड्या जिले में करेकट्टे गांव के पास स्थित एक फैक्टरी में रासायनिक भंडारण टैंक में विस्फोट होने से रविवार को दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। बताया जा रहा है कि विस्फोट उस समय हुआ, जब रसायन फैक्टरी को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जा रहा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दो मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और घायलों को मांड्या आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि फैक्टरी का सामान कुछ समय से करेकट्टे से नयी जगह पर ले जाया जा रहा था और रविवार को रासायनिक टैंक को खाली करते समय यह हादसा हुआ। मामले की जांच जारी है।

जीतो साउथ लेडीज विंग के पिकलबॉल टूर्नामेंट में 'नेट निंजाज़ टीम' बनी ओवरऑल विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो(जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन) साउथ लेडीज़ विंग द्वारा पिकल पावर प्ले, पिकलबॉल टूर्नामेंट का आयोजन क्लच स्पोर्ट्स सभागार में किया गया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह खेल आयोजन सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण को साकार रूप देता है। उन्होंने टीम भावना, समन्वय और संयम जैसे जीवन मूल्यों पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने कहा कि जीत और हार खेल का हिस्सा हैं, किंतु सच्ची खेल भावना वही है जिसमें पराजय में भी गरिमा बनी रहे। कार्यक्रम की संयोजक नीलम सांड एवं नीतू गुलेच्छा ने सभी प्रतिभागियों को नियमों की जानकारी दी। नीलम सांड ने कहा, खेल हमें अनुशासन और संतुलन सिखाता है। आज हम केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का उत्सव मना रहे हैं। नीतू गुलेच्छा ने कहा, हमारा उद्देश्य हर खिलाड़ी के चेहरे की मुस्कान लाना है। जब महिलाएँ स्वयं पर विश्वास करती हैं, तो हर कोर्ट उनके लिए अवसर बन जाता है। टूर्नामेंट में कुल 56 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिन्हें चार टीमों में विभाजित किया गया, किचन क्रशर्स टीम से किरण नागोरी, स्मैश क्वींस टीम से सारिका मेहता, पावर दिवाज़ टीम की सीमा और नेट निंजाज़ टीम की वंदना जैन ने कप्तानी की। खेल प्रारंभ होने से पूर्व एक प्रश्नावली भी आयोजित की गई, जिसमें सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली टीम को मैच शुरू होने से पहले 2 अतिरिक्त अंक प्रदान किए गए, यह ज्ञान और खेल का सुंदर संगम था। लीग मैचों में नेट निंजाज़ बनाम स्मैश क्वींस तथा किचन क्रशर्स बनाम पावर दिवाज़ के बीच मुकाबले हुए। नेट निंजाज़ और पावर दिवाज़ टीम सेमीफाइनल में पहुँचीं। प्रत्येक मैच में 7 डबल्स मुकाबले खेले गए, जो 15 अंकों तक चले। हर 8 अंकों के बाद खिलाड़ी कोर्ट की दिशा बदलती थीं। हर मैच के अंत में खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाकर सच्ची खेल भावना का परिचय दिया। फाइनल मुकाबला नेट निंजाज़ और स्मैश क्वींस टीम के बीच हुआ, जिसमें विशेष प्रारूप शामिल किया गया। 21 अंकों का रिले राउंड खेला गया, जिसमें हर 5 अंकों के बाद डबल्स जोड़ी बदली गई। यह राउंड नेट निंजाज़ टीम ने जीता।

इसके बाद दोनों कप्तानों, सारिका मेहता और वंदना जैन के बीच सिंगल्स मैच हुआ, जिसमें सारिका मेहता विजयी रहीं। अंत में जोकर मैच में चिट द्वारा जोड़ी निर्धारित की गई और 15 अंकों का डबल्स मुकाबला खेला गया, जिसमें नेट निंजाज़ ने जीत दर्ज कर समग्र रूप से विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। विजेता और उपविजेता टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किए गए।

व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू हुआ 'खागा व्यापार उत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक गारमेन्ट एवं होजरी एसोसिएशन (खागा) द्वारा 15 फरवरी से 15 अप्रैल तक चलने वाले 'व्यापार उत्सव' का शुभारंभ रविवार को हुआ। खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने इसकी शुरुआत करते हुए कहा कि यह आयोजन खागा के सदस्यों के लिए बहुत ही लाभदायक व व्यापार को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। उन्होंने बताया कि खागा व्यापार उत्सव स्कीम में भाग लेने वाले व्यापारियों से माल खरीदने पर उनको एक गिफ्ट कूपन दिया जाएगा।खागा व्यापार उत्सव में भाग लेने वाले व्यापारियों से माल खरीदने पर ग्राहकों को कूपन के आधार पर कार, स्कूटर व लेपटॉप के साथ प्रति सप्ताह टेलीविजन जीतने का अवसर मिलेगा, इसके साथ अन्य उपहार भी होंगे। इस स्कीम में भाग लेने वाले खागा के सदस्यों की एक परिचय बुक भी बनाई गई है जिसे बेंगलूरु के आसपास तीन सौ किलोमीटर के दायरे में ग्राहकों को वितरित की जा रही है ताकि ग्राहक बेंगलूरु आए और खागा सदस्यों से खरीददारी कर भाग्यशाली बने। इस अवसर पर बिजनेस डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन दिलीप जैन, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, विकास जैन एवं छगनलाल जैन उपस्थित थे।

आचार्य भिक्षु का 'दर्शन' आज भी जीवन उपयोगी है : मुनि पुलकित कुमार

तेयुप टी दासरहल्ली ने आयोजित की 'भिक्षु विचार दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी की अध्यक्षता में तेयुप टी दासरहल्ली द्वारा आचार्यश्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को सुबह तेरापंथ भवन में 'भिक्षु विचार दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी को आचार्य श्री भिक्षु के सिद्धांतों का प्रशिक्षण जरूरी हो गया है इसीलिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है । दासरहल्ली महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, महिला मंडल की अध्यक्षा गीता बाबेल, तेयुप के अध्यक्ष राकेश चावत ने सभी अतिथियों व उपस्थित जनों का स्वागत किया।ङ्कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा कि आचार्य श्री भिक्षु का दर्शन नूतन चिंतन देने वाला तथा जीवन उपयोगी है। आचार्यश्री ने 300 वर्षों पूर्व जो सम्यक ज्ञान का दीपक जलाया था वह आज अज्ञान को दूर करने वाला और ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाला बन गया है। आचार्य श्री भिक्षु ने साध्य और साधन की शुद्धि पर विशेष बल दिया। उन्होंने बताया कि लौकिक अर्थात लोक व्यवहार का कार्य और लोकोत्तर अर्थात शुद्ध आध्यात्मिक कार्य का हर श्रावक फर्क समझें। मुनिश्री ने तेरापंथ प्रबोध ग्रंथ के माध्यम से उनके सिद्धांतों को समझने की प्रेरणा दी। मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने गीत का संगान करते हुए कहा कि देव,गुरु और धर्म के प्रति आस्था को बढ़ाने का प्रयास करें। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सीपीएस के राष्ट्रीय संयोजक दिनेश मरोठी ने कहा कि आचार्य श्री भिक्षु सकारात्मक और सहिष्णता आदि गुणों के भंडार थे। आचार्यश्री भिक्षु का दर्शन श्रावक के दायित्व को तथा श्रद्धा को बढ़ाने वाला है। प्रशिक्षण कार्यशाला सलाहकार राकेश पोकरणा ने शुभकामना देते हुए कहा कि तेरापंथ धर्म संघ जिन शासन की शान बढ़ाने वाला है। तेयुप टी दासरहल्ली के शाखा प्रभारी अमित दक ने कहा आचार्य श्री भिक्षु धर्म क्रांति के सूत्रधार थे। इस अवसर पर तेरापंथ सभा संरक्षक एवं तेयुप परामर्शक लादूलाल बाबेल, उपाध्यक्ष विनोद मेहर, मंत्री प्रवीण बोहरा, सहमंत्री सुरेंद्र मेहर, कोषाध्यक्ष रमेश बाबेल सहित तेयुप, महिला व कन्या मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तेयुप के मंत्री दिलीप पितलिया ने किया। सहमंत्री एवं कार्यशाला संयोजक विनोद बोहरा ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**